उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-10 अंक-25

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 21 जुलाई 2025

कानपुर उद्योग व्यापार मंडल ने गांधी प्रतिमा पर किया धरना प्रदर्शन 8

नमाज के दौरान कांवड़ियों का डीजे जुलूस रोका, हमले का आरोप 6

कांवड़ यात्रा पर स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बोल- 'कांवड़िए सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे-माफिया हैं'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा को लेकर जमकर राजनीति हो रही है। एक तरफ जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कांवड़ियों पर फूलों की बारिश कर रहे हैं और प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हुए हैं, तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष का कहना है कि कांवड़ियों के वेश में कई अराजक तत्व भी भीड़ में शामिल हैं।

अब पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने सवाल उठाया है और कहा है कि भोले बाबा के भक्त इतने हिंसक कैसे हो सकते हैं? स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को कांवड़ियों की तुलना गुंडा-माफिया से करते हुए कहा कि वे सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे-माफिया हैं। स्वामी प्रसाद इस बयान का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी जनता पार्टी के प्रदेशस्तरीय बैठक में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, 'ये कांवड़िए नहीं हैं क्योंकि इन कांवड़ियों का अराध्य इतना भोला-भाला है कि लोग उसे भोले बाबा कहते हैं। तो भोले बाबा का जो भक्त है, वह इतना हिंसक कैसे हो सकता है। वह इतना बड़ा अपराधी कैसे हो सकता है। वह इतना बड़ा अराजक तत्व कैसे हो सकता है। कोई इतना बड़ा गुंडा-माफिया, अपराधी कैसे हो सता है। इसलिए ये सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडा-माफिया और अपराधी हैं। जो कांवड़ियों के भेष में पूरे प्रदेश में अराजकता फैला रहे हैं। कानून की धज्जियां उठा रहे हैं।'वहीं स्वामी प्रसाद ने स्कूलों के विलय को लेकर कहा, 'वर्तमान में संविधान के साथ छेड़छाड़ हो रहा है। इसे लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक चर्चा हुई। हमारी पार्टी की इकाई स्कूलों के मर्ज का विरोध कर रही है। साथ ही अपना विरोध जताने के लिए बाइक रैली निकाली जाएगी।'

भाजपा संरक्षित गुंडे-माफिया पूरे प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रहे

मौर्य ने आगे कहा कि भाजपा संरक्षित गुंडे-माफिया पूरे प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं, लेकिन कोई एक्शन नहीं हो रहा है जबकि एससी-एसटी या अल्पसंख्यक के किसी व्यक्ति से थोड़ी गलती हो जाए तो उस पर दर्जनों मुकदमे हो जाते हैं। घरों को बुलडोजर से तोड़ दिया जाता है।

बिहार चुनाव में इंडिया ब्लॉक से जुड़ने से ओवैसी ने किया इनकार

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार किया और राज्य में तीसरा मोर्चा बनाने के लिए समर्थन दोहराया। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं उठता और उन्होंने विरोधी दलों पर हाशिए पर पड़ी आवाज़ों को दबाने के लिए उनकी पार्टी को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

एएनआई के अनुसार, ओवैसी ने कहा कि एकतरफ़ा प्यार नहीं चलेगाज बिहार के लोगों को समझना चाहिए कि हम पर लगाए गए आरोप झूठ पर आधारित हैं। वे नहीं चाहते कि गरीबों और उत्पीड़ितों का कोई नेता उभरे। ओवैसी ने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चाहते हैं कि बिहार के लोग उनके अधीन रहें। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि बिहार के लोग उनके गुलाम बने रहेंज हम अपना चुनाव अच्छे से लड़ेंगे।

भाजपा नीत एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों के राजनीतिक विकल्प के विचार का समर्थन करते हुए हैदराबाद के सांसद ने कहा कि एआईएमआईएम बिहार में तीसरा मोर्चा बनाने के पक्ष में है। ओवैसी ने आगे कहा कि हमारी बिहार इकाई के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा है कि हमें तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश करनी

चाहिए। यह हमारी तरफ से एक प्रयास था। अब सब कुछ बिहार की जनता के सामने है। इस महीने की शुरुआत में, बिहार में एआईएमआईएम के इकलौते विधायक अख्तरुल ईमान ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को एक पत्र लिखकर महागठबंधन में शामिल होने की माँग की थी, जिसमें वर्तमान में राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला हर महीने 50 से 60 करोड़ की रिश्वत लेते थे जगन

अमरावती। आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हर महीने 50-60 करोड़ रुपये रिश्वत लेने वाला बताया गया है, हालांकि उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया। आरोपपत्र में राजशेखर रेड्डी को मास्टरमाइंड बताया गया है। इस मामले में वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसे पार्टी नेताओं ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के मामले में एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। इस आरोपपत्र में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने वाला बताया गया है। शनिवार को 305 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया गया है, लेकिन इसमें जगन को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया है। अदालत ने अभी इस आरोपपत्र का संज्ञान नहीं लिया है। आरोपपत्र में कहा गया है कि यह रकम पहले केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (आरोपी नंबर 1) को सौंपी जाती थी। फिर वह पैसा विजय साई रेड्डी (आरोपी नंबर 5), मिधुन रेड्डी (आरोपी नंबर 4) और बालाजी (आरोपी नंबर 33) को दिया जाता था, जो कि अंत में इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचाते थे। हर महीने औसतन 50-60 करोड़ रुपये इकट्ठा किए जाते थे। यह बात एक गवाह के बयान से भी साबित हुई है। इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि राजशेखर रेड्डी इस पूरे घोटाले के %मास्टरमाइंड और सह-साजिशकर्ता% है। उसने आबकारी नीति में बदलाव करवाया और आपूर्ति के लिए आदेश (ओएफएस) की स्वचालित (ऑटोमैटिक) प्रणाली को हटाकर मैनुअल प्रक्रिया लागू करवाई। साथ ही, उसने आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) में अपने भरोसेमंद लोगों की नियुक्ति करवाई। राजशेखर रेड्डी ने कथित तौर पर फर्जी डिस्टिलरी (शराब बनाने का संयंत्र) बनवाईं और बालाजी गोविंदप्पा नाम के आरोपी के जरिए जगन को रिश्वत पहुंचाई। साथ ही, उसने पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी के लिए चुनावों में 250 से 300 करोड़ रुपये नकद दिए। यह रकम 30 से ज्यादा फर्जी कंपनियों के जरिए धनशोधन कर विदेश में जमीन, सोना और महंगी संपत्तियों में लगाई गई। कुछ निवेश दुबई और अफ्रीका में भी किए गए।

पुलिस का दावा है कि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान आरोपियों ने नई शराब ब्रांड बाजार में उतारी, ताकि आपूर्ति और बिक्री पर उनका पूरा नियंत्रण हो और 2019 से 2024 तक बड़ी मात्रा में कमीशन वसूला जा सके। आरोपपत्र में कहा गया है, आरोपियों ने मिलकर आबकारी नीति और उसकी प्रक्रिया को बदला, ताकि उन्हें मोटा कमीशन मिल सके। इस कमीशन का ज्यादातर हिस्सा नकद और सोने के रूप में लिया गया।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने जानबूझकर उन ब्रांड/डिस्टिलरी को ओएफएस की मंजूरी नहीं दी, जो रिश्वत नहीं दे रहे थे। इस मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को वाईएसआरसीपी के लोकसभा सांसद पीवी मिधुन रेड्डी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले मई महीने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस शराब घोटाले को लेकर धनशोधन का मामला दर्ज किया था।

ईडी ने इस मामले की जांच के लिए धनशोधन रोकथान अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक ईसीआईआर दायर की है। मिधुन रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद वाईएसआरसीपी नेताओं ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। वाईएसआरसीपी की प्रेस विज्ञप्ति में पूर्व मंत्री बोचा सत्यनारायण, परणी वेंकटरमैय्या (नानी), अंबाती रामबाबू, मेरुगु नागर्जुन और पार्टी महासचिव जी श्रीकांत रेड्डी ने इस कार्रवाई की निंदा की है और कहा है कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं।

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत, सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के तीर्थयात्रियों को मीडिया ट्रायल से गुजरना पड़ता है, उन्हें बदनामकिया जाता है और यहां तक कि अपराधी और आतंकवादी करार दिया जाता है। योगी ने कहा कि निम्नतम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक, हर व्यक्ति इस कांवड़ यात्रा से जुड़ा है। यह एकता का अद्भुत प्रदर्शन है। इसमें जाति, क्षेत्र, वर्ग, धर्म या समुदाय का कोई भेदभाव नहीं है। हालांकि, मीडिया ट्रायल हो रहा है और कांवड़ यात्रा को बदनाम किया जा रहा है।

योगी ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रियों को अपराधी और आतंकवादी तक करार दिया जा रहा है। यह उस मानसिकता को दर्शाता है जो हर तरह से भारत की विरासत को कलंकित करना चाहती है। कांवड़ यात्रा भारत में एक प्रमुख वार्षिक हिंदू तीर्थयात्रा है, जिसके दौरान भगवान शिव के भक्त, जिन्हें कांवड़िये कहा जाता है, गंगा जैसी पवित्र नदियों से पवित्र जल इकट्ठा करने के लिए पैदल यात्रा करते हैं और उसे श्रावण के पवित्र महीने में शिव मंदिरों, विशेष रूप से शिवलिंगों पर चढ़ाने के लिए वापस ले जाते हैं।

यह यात्रा आध्यात्मिकता, धैर्य और उत्सव का मिश्रण है, लेकिन कई बार यह झड़पों, शोरगुल वाले जुलूसों और सड़क अवरोधों से भी जुड़ी रही है, जिसके कारण इसकी आलोचना हुई है और नियमन की मांग की गई है। इस दौरान उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा और दिल्ली जैसे उत्तरी भारतीय राज्यों में यातायात परिवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा उपायों सहित व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाती है।

सऊदी अरब के सोते हुए राजकुमारका निधन - 20 साल से कोमा में थे अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल

एजेंसी। सऊदी अरब के राजकुमार अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल (36) का शनिवार को निधन हो गया। बीस वर्ष पहले लंदन में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद वह कोमा में चले गए थे। शाही कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राजकुमार को सऊदी अरब में सोता हुआ राजकुमार कहा जाता था। समय-समय पर ऐसी अफवाहें उड़ती रहीं कि वह ठीक हो रहे हैं, लेकिन कभी इसकी पुष्टि नहीं हुई। कार्यालय ने एक बयान में कहा, राजकुमार के अंतिम संस्कार के लिए आज रियाद स्थित इमाम तुर्की बिन अब्दुल्ला ग्रैंड मस्जिद में प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। राजकुमार के पिता खालिद बिन तलाल ने एक्स पर निधन की जानकारी दी। उन्होंने एक भावुक पोस्ट में कहा, ाह की मर्ज़ी और नियति में विश्वास रखते हुए गहरे दुख के साथ हम अपने बेटे के निधन की सूचना दे रहे हैं, अल्लाह उन पर रहम करे। वह अस्पताल में अपने बेटे से मिलने के बाद नियमित रूप से सोशल नेटवर्क पर कई तस्वीरें पोस्ट करते थे। इस बीच ग्लोबल इमाम काउंसिल ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक बयान में कहा- ग्लोबल इमाम काउंसिल, प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल अल सऊद के निधन पर महामहिम क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और सम्मानित शाही परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करती है। वर्ष 2005 में अल वलीद जब 15 साल के थे, तब वह लंदन में मिलिट्री कैडेट के तौर पर पढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान हुए एक भयावह कार हादसे में उनके सिर में गंभीर चोटें आई थी। दुर्घटना के कारण उन्हें गंभीर मस्तिष्क क्षति और आंतरिक रक्तस्राव हुआ, जिससे वे पूरी तरह कोमा में चले गए। वह रियाद के किंग अब्दुलअज़ीज़ मेडिकल सिटी में लगभग 20 वर्षों तक निरंतर चिकित्सा देखभाल के तहत जीवन रक्षक प्रणाली पर रहे।

असम में पत्नी की हत्या का आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर गिरफ्तार

असम में पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर को गुवाहाटी से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य के कामरूप जिले में रंगिया के पास केंदुकोना रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर आरोपी राहुल सिंह की पत्नी का शव 15 दिन पहले उनके मकान से बरामद हुआ था, जिसके बाद शनिवार को सिंह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया, वह गुवाहाटी की एक इमारत में भेष बदलकर निजी सुरक्षा कर्मी के तौर पर काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे रंगिया लाया गया। सिंह को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारी सिंह ने दो जुलाई को बच्चों के सामने पत्नी की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था।

उन्होंने कहा, मृतक की पहचान अंजलि सिंह के रूप में हुई है। दोनों बच्चों ने हमें बताया कि उनके पिता ने मां को चाकू मारा था। फोरेंसिक विभाग और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने जांच में स्थानीय पुलिस की मदद की।

हत्या के कुछ दिनों बाद, पीड़िता द्वारा अपने रिश्तेदारों को कथित तौर पर भेजी गई एक ऑडियो क्लिप सामने आई थी। ऑडियो क्लिप में अंजलि को यह कहते हुए सुना गया कि पति और सास उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। अंजलि ने यह भी कहा कि पति ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी।

धर्मांतरण रैकेट का कथित मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा - पहली बार मीडिया के सामने खोली जुबान, कहा मैं निर्दोष हूं

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण रैकेट के कथित मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने आरोपों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। छांगुर बाबा ने कहा कि मैं निर्दोष हूँ।

मुझे कुछ नहीं पता। उन्हें और उनकी सहयोगी नसरीन को मेडिकल जाँच के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से ले जाया जा रहा है। छांगुर बाबा धर्मांतरण मामले में उत्तर प्रदेश के बलरामपुर निवासी स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा शामिल हैं, जिन पर बड़े पैमाने पर अवैध धर्मांतरण रैकेट चलाने का आरोप है। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन के साथ गिरफ्तारी के बाद यह मामला काफी सुर्खियों में आया। जाँच से एक व्यापक नेटवर्क का पता चला है जो कथित तौर पर कमजोर व्यक्तियों, खासकर हिंदू महिलाओं और नाबालिगों को धोखे, भावनात्मक हेरफेर और वित्तीय प्रलोभनों के जरिए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए बहकाने और मजबूर करने में शामिल है।

आरोपों का एक महत्वपूर्ण पहलू व्यापक वित्तीय लेन-देन है। एटीएस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जाँच से पता चला है कि छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों से जुड़े लगभग 40 बैंक खातों में विदेशी स्रोतों, खासकर खाड़ी देशों और संभवत: पाकिस्तान से, से कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की गई थी। ऐसा संदेह है कि इन निधियों का उपयोग धर्मांतरण कार्यों के वित्तपोषण के लिए किया गया है, जिसमें धर्मांतरित होने वाले व्यक्ति की जाति के आधार पर एक 卐निश्चित प्रोत्साहन संरचना卐 दी गई है, जो कथित तौर पर अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख रुपये से लेकर ब्राह्मण, सिख या क्षत्रिय महिलाओं के लिए 15-16 लाख रुपये तक है।

इसके अलावा, छांगुर बाबा पर बलरामपुर और पुणे में 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा की अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है, जिनमें से कुछ कथित तौर पर बिना उचित मंज़ूरी के सरकारी ज़मीन पर बनाई गई थीं। बलरामपुर में उनकी आलीशान हवेली, जो कथित तौर पर धर्मांतरण परामर्श और गतिविधियों का केंद्र हुआ करती थी, को ज़िला प्रशासन ने बड़े पैमाने पर ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों को छांगुर द्वारा स्वयं प्रकाशित शिजर-ए-तैय्यबा नामक एक विवादास्पद ग्रंथ भी मिला है, जिसका कथित तौर पर ब्रेनवॉश और धर्म-प्रचार के लिए इस्तेमाल किया गया था।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

श्रावण माह की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक (बी.पी.साहू)

मो.8423454502,

व्हाटसअप 9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

संपादकीय

नकली नोट की चोट

हालांकि, भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

हर बिहारी नागरिक का मताधिकार हो सुनिश्चित

अभी भी, विपक्षी दल चिंतित हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर 'भाजपा की कठपुतली' की तरह काम करने का आरोप लगाया है। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि 'असली निशाना' पश्चिम बंगाल और बड़ी संख्या में वहां बसे दस्तावेज़ विहीन प्रवासी हैं, जब आज से एक साल से भी कम समय में वहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।बिहार के राजनेताओं को किसी और भी छल-कपट का डर है। पंजाब और महाराष्ट्र के मौसमी मज़दूरों के अलावा, जो नवंबर में होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव से पहले शायद अपनी प्रामाणिकता साबित नहीं कर पाएंगे, बिहार में रहने वाले वंचित वर्ग के करोड़ों बिहारी भी शायद इतने चुस्त न हों कि अपनी पात्रता सिद्ध कर पाएं। असदुद्दीन ओवैसी, जिनकी पार्टी ने पिछली बार सीमांचल क्षेत्र में पांच सीटें जीती थीं, उनका मानना है कि इसका सीधा प्रहार उनके मतदाताओं पर पड़ेगा।

जहां तक राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की आलोचना का सवाल है, लोकतंत्र में सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार होना चाहिये। बिहार के लोगों को भी, जहां विस चुनाव से कुछेक माह पहले चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण का ऐलान किया। इसके समय व दस्तावेजों को लेकर विपक्ष की चिंताएं स्वाभाविक हैं। पुनरीक्षण में न पूरी होने लायक शर्तें नहीं लगानी चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राहतकारी है।

गत सप्ताहांत पंजाब के उन खेतों, कारखानों और घरों में राहत की सांस ली गई जहां प्रवासी बिहारी मज़दूर काम करते हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग को अपनी टिप्पणी में कहा है कि उसे मतदाता की पात्रता सिद्ध करने में आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र के इस्तेमाल की भी इज़ाजत देनी चाहिए ताकि नवंबर के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जब वे कतार में लगें तो सांस अटकी न रहे।यह कहना कि पंजाब-हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और देश के शेष हिस्सों का भी - बिहार चुनाव से संबंध है, स्वाभाविक बात है। बिहारी - और साथ ही उत्तर प्रदेश के लोग - पूरे उत्तर भारत में सब तरफ आमतौर पर दिखाई देते हैं। वे उन खेतों को जोतते हैं जो मुख्यत: पंजाबी कौम के हैं। वे कस्बों और शहरों में काम करते हैं और तमाम वे काम करते हैं, जो कनाडा की 'खोज' करने से पहले पंजाबी कभी खुद किया करते थे। किसी शख्स द्वारा उनके बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बावजूद, हमारा उनके बिना गुजारा नहीं हो सकता।

इसीलिए हमें तीन दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस धूलिया और जस्टिस बागची द्वारा कही गई बातों पर कहीं ज़्यादा ध्यान देना चाहिए। वह यह कि अगर भारत को सभी लोकतंत्रों की जननी का अपना खिताब कायम रखना है - जैसा कि उसने हिंसात्मक विभाजन के बाद 1951 में हुए पहले चुनाव आयोजन के बाद से करने का प्रयास किया है - तो उसे 18 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बिहारियों को वोट देने की अनुमति देनी चाहिए, जैसा कि वे पिछले दशकों में करते आए हैं।

यह समझ से परे है कि चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा करने में इतनी देर तक यानि 24 जून तक इंतजार क्यों किया। कुछ लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग के ऐसा करने के पीछे कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश के एक अंग्रेजी समाचारपत्र में लिखे लेख में महाराष्ट्र में 'चुनाव में हेराफेरी' के बारे की गई तीखी टिप्पणियों से बनी उकसाहट है। (उस लेख में राहुल ने कहा कि अन्य मानदंडों के बीच, भाजपा ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से 89 प्रतिशत पर जीत हासिल की, जबकि केवल चार महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में उसे केवल 32 प्रतिशत सीटों पर ही विजय मिली थी)। वहीं कुछ अन्य को यकीन है कि चुनाव आयोग की घोषणा का समय महज एक संयोग था। बहरहाल, यह ऐलान आश्चर्यजनक था।शायद चुनाव आयोग का मानना हो कि यह समय एकदम उचित है। क्योंकि बिहार मतदाता सूचियों में आखिरी बार पुनरीक्षण 2003 में हुआ था और तब से लेकर अब तक पांच लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इसलिए तमाम चूकों और कमियों को संशोधित और दुरुस्त करने का सबसे उपयुक्त समय यही है।

अगर ऐसा है भी, तब भी अड़चन पैदा करने वाली शर्तें क्यों ठोकनी? सर्वप्रथम, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनाव आयोग खुद जारी करता है) और सर्वव्यापी राशन कार्ड को अमान्य बना दिया, जिसका कोई तुक नहीं। दूसरा, बिहार के 7.89 करोड़ मतदाताओं से विस्तृत जानकारी मांगना जैसे कि पिता और माता के जन्मस्थान को 'दस्तावेजी साक्ष्य' से सिद्ध करना। इससे लगने लगता है कि मानो चुनाव आयोग नागरिकता का प्रमाण मांग रहा हो। तीसरा, चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि वह 1 अगस्त को संशोधित मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित करेगा, जिसका मतलब है कि बिहारियों के पास अपनी जानकारी जुटाने के लिए बमुश्किल पांच हफ्ते का समय है।

अब बड़ी संख्या में बिहारी कामगार, जो पंजाब के खेतों में या महाराष्ट्र के निर्माण स्थलों पर मजदूरी कर रहे हैं, उनके लिए यह कैसे संभव होगा? क्या वे अपना कामकाज छोड़कर किसी नज़दीकी साइबर कैफ़े में जाकर यह खंगालते फिरें कि उनका नाम सूची में है या नहीं? इसीलिए कई प्रतिष्ठित लोगों, जिसमें एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) जैसे संगठनों के अलावा राजनेता जैसे कि महुआ मोइत्रा और मनोज कुमार झा (वे द ट्रिब्यून में भी लिखते हैं) शामिल हैं, ने सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर कर दी।

इस प्रक्रिया पर रोक न लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने सही ही किया है। सत्यापन के लिए चुनाव आयोग द्वारा पहले से बताए गए 11 दस्तावेजों के अतिरिक्त तीन और दस्तावेज शामिल करने का सुझाव देने के अलावा, सर्वोच्च न्यायालय ने कई और प्रश्न पूछे हैं, जिनमें यह भी शामिल है 'क्या चुनाव आयोग के पास मतदाताओं से नागरिकता का प्रमाण मांगने का अधिकार है?'

यह सवाल कि कौन भारतीय है और कौन नहीं, कई दशकों से चला आ रहा है। जब 1946 में विदेशी अधिनियम पारित हुआ - जिसने विभाजन से पहले वाली सरकार को अवैध प्रवासियों को हिरासत में लेने और निर्वासित करने का अधिकार दिया - तबसे लेकर 2019 में आए नागरिकता संशोधन अधिनियम तक, सरकारें भारत में रहने वालों का नागरिक दर्जा परिभाषित और वर्गीकृत करने के प्रयास करती आई हैं। बांग्लादेश की सीमा से सटे असम ने दशकों से नागरिकता सत्यापन के लिए किए गए अनेक प्रयोगों के दंश सहे हैं, जिनमें राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर भी शामिल है, जिसे 2019 में चुपचाप दफना दिया गया, जब 19 लाख लोग इस रजिस्टर से बाहर पाए गए।बेशक, चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण किसी भी बिहारी से यह साबित करने के लिए नहीं कह रहा है कि वह भारतीय है अथवा नहीं - अलबत्ता, उसे यह सिद्ध करने के लिए कहा जा रहा है कि क्या वह बिहारी है और इस आधार पर बिहार चुनाव में वोट देने की पात्रता रखता है? असम की तरह, बिहार की सीमा भी विदेशी मुल्क नेपाल से लगती है, लेकिन दोनों के बीच 'रोटी-बेटी का रिश्ता' और खुली सीमा तनाव के बजाय सौहार्द सुनिश्चित करती है।

प्रगतिशील सुधार आंदोलन बदलेगा सामंती सोच

सपनों के शहर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में 25 वर्षीय राधिका यादव के सपनों का इतना दर्दनाक अंत बहुत ही झकझोर देने वाली घटना है। मिलेनियम सिटी, उसका सुशांत लोक संभवत: सबसे पाश इलाका। उसमें एक जानी-मानी टेनिस खिलाड़ी, उसके लाइसेंसी रिवाल्वर रखने वाले पिता के द्वारा किचन में काम करते हुए पीछे से 5 गोलियां दागकर हत्या। इस अपराध का पूरा प्रोफ़ाइल हरियाणा में रियल-एस्टेट, बिल्डर, प्रॉपर्टी डीलर आदि के अनाप-शनाप धंधों से अच्छा खासा पैसा बनाकर तथाकथित आधुनिक जीवन जीने की लालसा रखने वाले तथा सामंती व पितृ सत्तात्मक विचारों से उस पर इज्जत का मुलम्मा चढ़ाने वाले लोगों के विखंडित व्यक्तित्व का कॉकटेल है। वैसे तो इज्जत के नाम पर ऐसी हत्याएं हमारे समाज की मुख्य धारा के लोगों की भी समस्याएं हैं, लेकिन भले ही इधर-उधर हाफले मारकर इन नवधनाढ्यों ने 21वीं सदी के अमीरों वाली सुविधा जुटा ली है परंतु मानसिकता अभी भी 18वीं सदी में खड़ी है। ये अपनी बीवी बेटियों को अपनी संपत्ति समझते हैं जिन्हें वह जैसे चाहें बरत सकते हैं। इनके जीवन-मूल्य सिविल सोसायटी या नागरिक समाज की संगति में नहीं बने-ढले। बल्कि सामंतवाद पर आरोपित पूंजीवादी आधुनिकता में रचे बसे हैं।

हरियाणा की बेटियों को खेलों के माध्यम से ज्ञान (एक्स्पोज़र) व ताकत दोनों मिले हैं वे भी न्याय के लिए शीर्ष राजनीति या पितृसत्ता से टकराते हुए ज्यादा आगे-पीछे की नहीं सोच रही। फिर चाहे वह शिक्षा डागर, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक या राधिका यादव कोई भी हो। इस केस में क्योंकि पिता नवधनाढ्य वर्ग से आता है जो सोचते हैं 'हमने क्या-क्या जलालत झेलकर इनके लिए ये सुख-सुविधाएं जुटाई और आज यही आगे से जवाब देते हैं।' तो यहां एक अतिरिक्त असहिष्णुता का पुट भी है।

लेकिन खिलाड़ी लड़कियां, जिनके खेलों के माध्यम से सशक्त व्यक्तित्व बने हैं वो आसानी से हथियार डालते नजर नहीं आ रही। हरियाणा की जूनियर कोच जिस पर पूर्व खेल मंत्री द्वारा यौन हमले का आरोप है उसने उसका दमन करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। उसके बावजूद आज तक कोर्ट में उसके सामने डटी खड़ी है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट बिना आगे पीछे की परवाह किए यौन शोषण आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण को बचाने वाली सरकार के खिलाफ सीधा जंतर मंतर पर जाकर धरने पर बैठ गई। वे बृजभूषण को सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर घसीट कर ले आई। यहां राधिका यादव के पिता ने भी जो मीडिया में आया है उसके हिसाब से कई बार उसे रील न बनाने व खेल एकेडमी बन्द करने का आदेश दिया। राधिका ने रील बनाना तो बन्द कर दिया मगर अपनी पसन्द का काम नहीं छोड़ा। वैसे भी किचन में काम कर रही राधिका पर पीछे से पीठ में गोलियां दागी हैं। शायद पिता को यह अंदेशा रहा हो कि अगर आमने-सामने होंगे तो मुमकिन है राधिका बच निकले या पलटवार करे।

राधिका की हत्या अंतिम रूप में इज्जत के नाम पर की गई हत्या है। दीपक यादव कह रहा है कि लोग उसे ताने देते थे कि 'बेटी की खेल अकेडमी की कमाई खा रहा है जो रोज रीलें बनाती है यह मुझसे बर्दाश्त नहीं हुआ।' यही तो इज्जत के नाम पर की जाने वाली हत्याओं का उद्गम-स्थल है। जब कोई व्यक्ति विशेष जीवन के किसी भी क्षेत्र में समाज की स्वीकार्य आचार संहिताओं से अलग व्यवहार करता है तो समाज द्वारा अलग-अलग तरीके से उसका विरोध किया जाता है। मगर सामान्य बुद्धि के लोग ज्यादा समाज व धर्म भीरु होते हैं। उदाहरण के तौर पर इसी केस में दीपक यादव ने कभी किसी ताना देने वाले पर हमला नहीं किया मगर अपनी बेटी की तो जान ही ले ली। किसको नहीं पता कि दहेज व महिला असुरक्षा की वजह से लड़की की भ्रूण हत्या होती है। मगर यह समाज दहेज के खिलाफ या महिला सुरक्षा के लिए लड़ने की बजाय लड़कियों की गर्भ में ही हत्या करने में गुरेज नहीं करता। आज नहीं तो कल इस सामाजिक मानसिकता को संविधान की संगति में ढालने के काम की चुनौती यहां के लोगों को स्वीकार करनी ही पड़ेगी। हमें समझना होगा कि अपने से अलग मत को भी सहन करते हुए लोकतंत्र में सामाजिक सहअस्तित्व की जगह निकालनी होती है।

इसके लिए प्रदेश में एक प्रगतिशील समाज सुधार आंदोलन की जरूरत को रेखांकित करना होगा। जिसमें वर्ण व्यवस्था व पितृसत्ता को खत्म करने के लिए जाति व लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सत्याग्रह, संघर्ष, आंदोलन चलाते हुए हमारे यहां नागरिक समाज का निर्माण हो। जहां इंसान की मानवीय गरिमा व लोकतांत्रिक अधिकार जाति, धर्म, लिंगभेद से ऊपर हों। दीपक जैसे लोगों को पता है कि गवाह, सबूत के अभाव में वे सजा से बच सकते हैं। इसलिए अब कानून का ड्राफ्ट आगे बढ़ाना ही चाहिए। कानून के अभाव में भी इतने निर्मम समाजभीरु व धर्मभीरुओं को उदाहरणीय सजा सुनिश्चित करवाने के लिए पुलिस को अभी से इस केस में एहतियाती कदम उठाने होंगे।

चर्चाओं के बीच -गायिका अनुप्रिया चटर्जी

फिल्म '72 ऑवर्स विथ सुखविंदर सिंह' (बायोपिक फिल्म), 'प्यार के दो नाम' और पंजाबी फिल्म 'प्रॉपर पटोला' के अलावा टीवी धारावाहिक 'इस प्यार को क्या नाम दूँ', 'मधुबाला', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'दो दिल एक जान', 'क्रेज़ी स्टुपिड इश्क' और 'मायके से बंधी डोर' जैसे शो में भी अपनी गायकी का कमाल दिखा चुकी गायिका और नृत्यांगना अनुप्रिया चटर्जी इन दिनों सुर्खियों में हैं।बनारस (उत्तरप्रदेश) की मूल निवासी अनुप्रिया चटर्जी पिछले कई वर्षों से बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और अपनी मधुर आवाज़ और बेहतरीन नृत्य द्वारा एक अलग पहचान बना चुकी हैं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में संगीत और कथक की औपचारिक शिक्षा लेने वाली अनुप्रिया का पारिवारिक माहौल भी गीत-संगीत से रमा हुआ रहा, जिसने उनकी प्रतिभा को बचपन से ही दिशा दी। विदित हो कि अपनी कला के विस्तार के लिए अनुप्रिया मुंबई आईं और यहीं से उनके करियर ने नई उड़ान भरी।उन्होंने ललित पंडित, शान, अनूप जलोटा, जावेद अली और कई अन्य बड़े गायकों के साथ लाइव शो किए हैं। वह भारत ही नहीं, विदेशों में भी अपने संगीत शो करती रहती हैं। उनके शो में पंडित हरिप्रसाद चौरसिया जैसे दिग्गज भी मुख्य अतिथि रह चुके हैं। अनुप्रिया ने दक्षिण भारतीय फिल्मों के हिंदी वर्ज़न के लिए गीत गाए, जिससे उन्हें व्यापक पहचान मिली। उन्ही के सानिध्य में रहते हुए उनकी मुलाकात गायिका आशा भोंसले से भी हुई और आशा ताई ने उनके गायन की खुले दिल से प्रशंसा की। उनकी आवाज़ म्यूजिक वीडियो 'ये जुनून इश्क का' और 'रंग शर्बतों का' में भी सुनने को मिली।इसके अलावा उन्होंने आस्था, संस्कार, दिव्या और इनबॉक्स म्यूजिक जैसे चैनलों के लिए भी कई गीत रिकॉर्ड किए हैं। पंजाबी और राजस्थानी भाषाओं में गाने गाए हैं। फिलवक्त अनुप्रिया के कई म्यूजिक शो लाइन अप हैं और जल्द ही एक फिल्म में उनका आइटम सॉन्ग भी आने वाला है।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

इतिहास के बनते बिगड़ते स्वरुप अकबर कभी महान तो कभी क्रूर

पंकज सीबी मिश्रा /राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

बदलते इतिहासकारो नें इतिहास की सत्यता को गर्त में धकेल दिया है। पहले जो पढ़ाया जाता रहा वह क्या वाकई सेक्यूलरिज्म के लिए मिथ्या बीजारोपण था! या अब जो बताया जा रहा वह हिन्दूइज्म के लिए आधार तैयार किया जा रहा ! एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन काल की नयी तस्वीर पेश की गई है। 2025-26 सत्र के लिए प्रकाशित की गयी कक्षा 8 की नई किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉड (भाग 1) में बाबर, अकबर, औरंगजेब सभी को बेहद क्रूर, निर्दयी शासकों की तरह पेश किया गया है, जिन्होंने हिंदुओं के मंदिर तोड़ा, उन पर जजिया कर लगाया और औरतों-बच्चों को बेरहमी से मारा।

इसलिए इस पूरे काल के लिए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इसी दौर में विश्वप्रसिद्ध ताजमहल भी बना, जिसे देखने दुनिया भर के सैलानी आज भी आते हैं। भूमि की नापजोख से लेकर राग-रागिनियों की रचना, खान-पान, पोशाकों पर प्रयोग सब इसी दौर में हुए। सबसे बड़ी बात यह कि जिस अंधेरे दौर का जिक्र कर मुग़ल शासकों पर आततायी होने का इल्जाम लगाया जा रहा है, और हिंदुओं के लिए उसे ख़तरे की तरह बताया जा रहा है, उस काल के गुजरने के बाद देश खंडो में बटा। आज जब देश में हिंदू बहुसंख्यक हैं और मुस्लिम अल्पसंख्यक तो फिर ऐसे प्रश्न उठाने लाजमी है। 1526 से लेकर 1857 तक मुगलकाल 331 साल तक चला, इतने लंबे वक़्त में भारतीय समाज की धार्मिक पहचान आसानी से बदल गई होती अगर शेरशाह सूरी जैसे नायक सामने नहीं आते तो । जैसा कि किताब में दावा है कि जजिया 'अपमानजनक कर' था, जो गैर-मुस्लिमों पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से लगाया जाता था तो इसपर किसी को कोई आपत्ति क्यों.! इस किताब में मंदिरों और गुरुद्वारों को तो ?ने का इल्ज़ाम मुग़ल शासकों पर लगा जो वर्तमान साक्ष्य को देखते हुए सत्य प्रतीत होता है ।

यह सब सौ फ़ीसदी सच है। देश में न चार-पांच सौ साल पुराने मंदिर बचे ढंग से , न हिन्दुओं की आस्था । जो कुछ किताब में लिखा है, वह तस्वीर का एक ही पहलू है । इसके जरिए विद्यार्थियों को समझाया जा रहा है कि यह इतिहास का अंधेर दौर था। किताब में बाकायदा एक अस्वीकरण यानी डिस्क्लेमर दिया गया है, जिसमें लिखा है कि 'इतिहास के अंधेरे दौर' के लिए आज किसी को ज़िम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। यह अस्वीकरण काफी परिचित लगता है, क्योंकि इतिहास और वह भी सदियों पुराने इतिहास के लिए तो यूं भी किसी को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जो कुछ अतीत में घटा है, उसका तार्किक विश्लेषण करना, और गलतियों को न दोहराने का सबक लेना, इस मकसद के साथ इतिहास का पाठ किया जाना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब इतिहास को संतुलित और संवेदनशील तरीके से प ?ाया जाए।

इतिहास में राजा अपना राज्य बचाने के लिए क्रूरता का सहारा लेता है और कभी किसी राजा की अकर्मण्यहीनता में प्रजा पिसती है। हिंसा, रक्तपात, कत्लेआम, इंसानों की सामान की तरह तिजारत ऐसी कई अमानवीय घटनाएं भारत समेत पूरे विश्व इतिहास में दर्ज हैं। खासकर मध्ययुग का इतिहास तो इन्हीं से अटा प ?ा है, जीवन में व्यापार, धर्म और सियासत के लिए जगह बनने लगी। उस दौर में न कोई संविधान था, न आज की तरह का लोकतंत्र था, इसलिए नैतिकता के मापदंड भी अलग थे।एनसीईआरटी की किताबों को अब सच्चाई का जरिया बनाया गया है। क्योंकि इसके जरिए नयी पी ?ी के दिमाग में सत्य बोने का काम आसानी से होगा। कोई मिथ्या विरोध जताये तो उसे किताब का डिस्क्लेमर दिखाया जाएगा।

इसमें कोई दो राय नहीं कि अकबर ने युद्ध किए और औरंगजेब ने मंदिरों को नष्ट किया। लेकिन औरंगजेब ने जब केवल मंदिरों को ध्वस्त किया तो अकबर ने जजिया कर को ख़त्म किया, इसके बाद धार्मिक एकता और सहिष्णुता का स्वांग रचाने के लिए सुलह राजनीति चलाई। सच तो ये है कि क्रूरता और धार्मिक स्थलों का विनाश मुगल या सल्तनत काल तक सीमित नहीं था। इसके पहले और बाद में भी यह सब चलता रहा, क्योंकि किसी भी शासन में पहला मक़सद अपने राज्य का विस्तार और आसपास के शासकों पर दबदबा कायम करना होता था। आज भारत में सम्राट अशोक को महान माना जाता है, क्योंकि उन्होंने कलिंग युद्ध के बाद हिंसा को त्यागा और बौद्ध धर्म अपना लिया।

अशोक के शिलालेखों के अनुसार कलिंग युद्ध में 1 लाख लोग मारे गए और 1.5 लाख बंधक बनाए गए थे। मगर इस वजह से हम अशोक को क्रूर शासक के तौर पर याद नहीं करते हैं, फिर बस अकबर या अन्य मुग़ल शासकों के लिए यह पैमाना क्यों बन रहा है, यह विचारणीय है। कई हिंदू शासकों ने अपने राज्य के लिए रक्तपात मचाया है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

डीएम ने 11 टीबी मरीजों को लिया गोद, प्रदान की पोषण पोटली

टीबी को हराने के लिए जन सहभागिता एवं जागरूकता जरूरी:डीएम

कानपुर।जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं द्वारा गोद लिए गए 11 क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने टीबी को समाप्त करने का राष्ट्रीय लक्ष्य वर्ष 2025 तक निर्धारित किया गया है और इसे केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जन सहभागिता और व्यापक जागरूकता से ही पूरा किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि क्षय रोग का समुचित इलाज संभव है और यह कोई लाइलाज बीमारी नहीं है।समय पर पूरी दवा लेने और पौष्टिक भोजन से मरीज स्वस्थ जीवन की ओर लौट सकता है।यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज का लाभ है।जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। आम नागरिकों के साथ-साथ निजी चिकित्सा संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और स्वयंसेवी संगठनों को आगे आना चाहिए। जितने अधिक लोग टीबी मरीजों को गोद लेंगे, उतनी ही तेज़ी से यह बीमारी नियंत्रित होगी। उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों को सलाह दी कि वे नियमित रूप से दवा लें और डॉक्टर की सलाह का पालन करें। पोषण पोटली में चना, दाल, गुड़, तेल, चिउड़ा और ड्रायफ्रूट्स जैसी सामग्री दी गई है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होगी। डीएम आगामी छह माह तक गोद लिए टीबी मरीजों को निजी खर्चे से पोषण पोटली देंगे।कार्यक्रम में मौजूद लोगों को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि टीबी मरीज किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1800-11-6666 पर संपर्क कर सकते हैं। जिलाधिकारी द्वारा गोद लिए गए सभी मरीजों ने आभार व्यक्त करते हुए दवा का कोर्स पूरा करने का संकल्प दोहराया।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध, एनटीईपी टीम के सदस्य, संबंधित अधिकारीगण एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

नगर निगम ने हर्ष नगर में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, दुकानें और फुटपाथ कब्जों से मुक्त कराए

कानपुर।कानपुर में नगर निगम जोन-चार की टीम ने हर्ष नगर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया। जोनल अधिकारी राजेश सिंह के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को दुकानों के बाहर किए गए कब्जों और फुटपाथों से अवैध निर्माण को हटाया। इस दौरान कई होर्डिंग और बैनर भी जब्त किए गए।यह कार्रवाई शहर को साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित बनाने के नगर निगम के प्रयासों का हिस्सा है। अक्सर देखा जाता है कि दुकानदार अपनी दुकानों का सामान फुटपाथ और सड़क तक फैला देते हैं, जिससे पैदल चलने वालों और यातायात को परेशानी होती है। ऐसे अतिक्रमण से शहर की सुंदरता भी प्रभावित होती है।अभियान आगे भी जारी रहेगानगर निगम की टीम ने सख्ती से कार्रवाई करते हुए इन अवैध कब्जों को हटाया। जोनल अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि शहर के विभिन्न हिस्सों को अतिक्रमण मुक्त किया जा सके। इस तरह के अभियानों से न केवल सार्वजनिक स्थानों पर आवाजाही आसान होती है, बल्कि शहर की व्यवस्था और सौंदर्य में भी सुधार आता है।

नगर निगम के भ्रष्टाचार का शिकार हुई पुलिस की गाड़ी, गड्ढे में फंसी,लोगों की मदद से बाहर निकली

कानपुर। जाजमऊ के सरैयां चौराहे के पास पुलिस की पीआरवी जीप गड्ढे में फंस गई। इस दौरान जीप में बैठे पुलिसकर्मी बाहर निकल आए और स्थानीय लोगों की मदद से जीप को गड्ढे से बाहर निकलवाया गया।कानपुर शहर में सड़कों की बदहाली और नगर निगम के कथित भ्रष्टाचार का खामियाजा अब पुलिस को भी भुगतना पड़ रहा है। मंगलवार दोपहर कानपुर के जाजमऊ स्थित सरैयां चौराहे के पास एक पुलिस पीआरवी की गाड़ी सड़क पर बने एक गहरे गड्ढे में फंस गई। यह घटना तब हुई जब पुलिस की टीम किसी सूचना पर जा रही थी।जीप के गड्ढे में फंसने के बाद उसमें सवार पुलिसकर्मी तुरंत बाहर निकले, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से जीप को गड्ढे से बाहर निकलवाया गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और किसी को चोट नहीं आई। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।यह उल्लेखनीय है कि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर जाजमऊ की सरैयां रोड पहली बारिश में ही धंस गई थी, जिसकी मरम्मत का काम नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। कुछ दिनों पहले, इसी जगह पर नगर निगम का एक ट्रैक्टर भी सड़क में धंसे गड्ढे में फंस गया था, जिसे निकालने के लिए क्रेन का सहारा लेना पड़ा था।

कुछ सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ 30 जुलाई को विधानसभा घेरेगा दिव्यांग महागठबंधन

कानपुर। दिव्यांग महागठबंधन की बैठक हुई। बैठक में सरकार द्वारा 18 मार्च व 7 मई को शासन में मांगों को लेकर समझौता हुआ था। समझौता की कार्यवृत्त भी जारी हुई थी। लेकिन सरकार ने लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थियों की नियुक्ति, सीजनल अमीनों का विनियमितिकरण नहीं किया। नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारंटी नहीं दी , दिव्यांग पेंशन पांच हजार रुपए सरकार ने नहीं किया । सरकार ने समझौते का पालन नहीं किया। दिव्यांग संगठनों व दिव्यांगजनों में इसको लेकर रोष व्याप्त है।महागठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के साथ धोखा कर रही है। दिव्यांग नौकरी रोजगार न मिलने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं सरकार मुक दर्शक बनी है। उत्तर प्रदेश में अफसरशाही हावी है। दिव्यांगजनों कि कोई सुनने वाला नहीं है। फर्जी आस्वाशन व घोषणा से दिव्यांगजन त्रस्त है।उन्होंने कहा कि सरकार अगर 29 जुलाई से पहले लेखपाल, मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को नौकरी व सीजनल अमीनों का विनियमितिकरण नहीं करती है। दिव्यांगजनों को नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारंटी , पेंशन पांच हजार रुपए महीना नहीं करती है तो 30 जुलाई को उत्तर प्रदेश के हजारों दिव्यांग मुख्यमंत्री कार्यालय विधानसभा का घेराव करेंगे।

मछुआरा समुदाय ने जिलाधिकारी से न्याय की गुहार नीलामी रद्द करने की मांग

कानपुर, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी जिला अध्यक्ष राज निषाद के नेतृत्व जिलाधिकारी को ज्ञापन सोपा ।ज्ञापन के दौरान बताया कि जनपद कानपुर नगर के तहसील घाटमपुर ते तमाम मछुआरा समुदाय के लोग मत्स्यजीवी तहकारी समिति बनवाने का काम किये ।दिनांक 14/07/2025 को मत्स्य नीलामी के दौरान तमाम ऐसे कई समितियों को नीलामी में भागीदारी नहीं दी गयी आगे कहा कि अधिकारी गरीब मछुआरों से पैसे की मांग कर रहे थे और पैसा न देने पर पूंजीपतियों, माफियाओं को पट्टा आवंटित कर दिया गया और तो और गरीब किसानों को बोली लगने का मौका भी नहीं मिला नीलामी को रद्द कराकर आगे तारीख बढ़ा करके पट्टे आवंटित किये जायें।ज्ञापन के दौरान जिला अध्यक्ष राज निषाद वीर सिंह गुलाब राजा भैया अंकित अजय राम क्रांति अल्पेश कल्लू जीतू निषाद, आदि लोग रहे।

खेतनुमा सड़कें, गोदाम तक जलभराव, ट्रांसपोर्ट नगर को कोई तो बचाओ...

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महंगाई, कारोबार में प्रतिस्पर्धा के बाद अब बारिश ने ट्रांसपोर्ट की रही सही व्यवस्था को चौपट कर दिया है। हालत ये है कि उत्तर प्रदेश में सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला ट्रांसपोर्ट नगर की हालत खस्ता है, यहां की दुर्दशा की बात तो सबको पता है लेकिन जिन लोगों के कंधों पर ट्रांसपोर्ट नगर को संभालने की जिम्मेदारी है, वही आंखें बंद किए हैं। यहां पर अव्यवस्था के चलते कई ट्रांसपोर्टर अपना कारोबार समेट कर कहीं और चले गए हैं।

ट्रांसपोर्ट नगर में एक दशक पूर्व 3000 से अधिक ट्रांसपोर्ट हुआ करते थे लेकिन अव्यवस्था के चलते अब यहां 1500 से 2000 ट्रांसपोर्ट हैं लेकिन ट्रांसपोर्ट अपनी किस्मत पर रो रहा है। लापरवाही का आलम ये है कि हैवी नाला जो पांडु नगर से जोड़ने की बात की जाती है, वह हैवी नाला बंद पड़ा है, हजारों ट्रक मलवा उसके अंदर भरा है क्योंकि इसकी सफाई कागजों में होती है।

हैवी नाले का गंदा सीवरयुक्त पानी सैकड़ों गोदाम में पहुंच रहा है जिससे गोदाम में रखा करोड़ों का माल भीगने से खराब हो रहा है। आरसीसी सड़क की गुणवत्ता इतनी खराब है कि अभी से टूटने लगी है। कई सड़कें दलदल हो चुकी हैं। इसी प्रकार निर्माणाधीन नाला ओवरफ्लो होने की वजह से आसपास का क्षेत्र तालाब का रुप ले चुका है।

क्या बोले ट्रांसपोर्टर्स

ट्रांसपोर्ट कारोबार में इतना प्रतिस्पर्धा है कि ये कारोबार वैसे भी दम तोड़ रहा है, ट्रांसपोर्ट नगर की सड़कों को दुरुस्त कराने की कई बार मांग की गई लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है, हालत इतनी खराब है कि व्यापारी जल्दी ट्रांसपोर्ट नगर आना नहीं चाहते, ऐसे में कारोबार धीरे धीरे सिमटने लगा है... राज कुमार सारंग, ट्रांसपोर्टर।

कई सड़कों पर घुटनों तक कीचड़ भरा है, जिसमें लोड वाहन पलट जाते हैं, पूरे ट्रांसपोर्ट नगर में जगह जगह जलभराव है, जलभराव के कारण पल्लेदार पानी में घुसकर माल उतारते हैं, कभी कभी इतना पानी होता है कि न तो ट्रक गोदाम तक पहुंचती है और न ही पल्लेदार माल उतारने को तैयार होते हैं... आदित्य तिवारी, ट्रांसपोर्टर।ट्रांसपोर्ट नगर का ड्रेनेज सिस्टम ध्वस्त है, करोड़ों का राजस्व देने वाला ट्रांसपोर्ट नगर अपनी किस्मत पर रो रहा है, कई ट्रांसपोर्टर यहां से कारोबार समेटकर पलायन कर चुके हैं। गोदाम में जिस व्यापारी का माल भीगता है, उसके नुकसान की भरपाई भी ट्रांसपोर्टर को करना पड़ती है... प्रवीण जैन, ट्रांसपोर्टर।

ट्रांसपोर्ट नगर में विष्णु पेट्रोल पंप वाली गली और इच्छा पूर्ति मंदिर वाली गली दलदल बन चुकी है जिससे ट्राली वाले माल ले जाने से मना कर देते हैं। 50 से अधिक ट्रांसपोर्ट इन दोनों गलियों में हैं जिनका कारोबार पूरी तरह चौपट हो चुका है।

एक पेड़ मां की ममता और हरियाली के नाम...ज्योति बाबा

कानपुर। इंसानों की तरह पेड़ भी सांस लेते हैं लेकिन जहां इंसान ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं वहीं पेड़ इसके विपरीत करते हैं उनके पत्ते कार्बन डाइऑक्साइड, ?

पानी और सूर्य से ऊर्जा खींचते हैं और उसे शर्करा में बदल देते हैं जिससे पेड़ों को पोषण मिलता है इस प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहते हैं जिसमें ऑक्सीजन निकलती है इस प्रकार प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से पेड़ वातावरण से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को हटाते हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में हमारी मदद करते हैं उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व राष्ट्रीय अटल आरोग्य संघ के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति युवा भारत अभियान के अंतर्गत पेड़ लगाओ नशा हटाओ एक पेड़ मां के नाम लगाओ कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख,एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डधारी योग गुरू ज्योति बाबा ने कहीं,ज्योति बाबा ने कहा कि जितना प्रदूषण बढ़ेगा उतना ही व्यक्ति ज्यादा नशा करेगा ,क्योंकि तनाव,कुंठा और हताशा का हल वो नशे में खोजेगा, इसीलिए शुद्ध वातावरण में उन्नत एवं सकारात्मक विचारों के आने के कारण समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनेगा, इसीलिए सभी को नीम,पीपल और बरगद के पेड़ ज्यादा से ज्यादा लगाए।

राष्ट्रीय अटल आरोग्य संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अतुल कुमार मिश्रा ने कहा कि नीम,पीपल और बरगद के पेड़ की त्रिवेणी है त्रिवेणी के रूप में एक साथ लगाने की परंपरा है जिसे शुभ माना जाता है इसका धार्मिक,आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व है हिंदू धर्म में पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु का वास,बरगद में भगवान शिव का निवास और नीम के पेड़ में औषधीय गुण के साथ देवी दुर्गा का निवास माना जाता है नीम के पेड़ की जड़े मिट्टी से पानी सोख लेती हैं जिससे मिट्टी का कटाव कम होता है जहां त्रिवेणी लगी होती है वहां हर पल सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता हैं विकास गौड़ एडवोकेट ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा है तब त्रिवेणी सहयोग प्रदान करती है मानव और समाज के जीवन की मुख्य धारा प्रभावित करती है।

500 के विवाद में दबंग ने युवक की चाकू से काटी नाक, पुलिस ने बताया शराब पार्टी का मामला

महोबा। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थानाध्यक्ष सत्यपाल सिंह का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। शराब पार्टी के बाद रुपये मांगने पर विवाद का मामला सामने आया है।

यूपी के महोबा स्खित थाना अजनर के खिरियाकला गांव में मंगलवार की देर शाम 500 रुपये के विवाद में दबंग ने युवक की चाकू से नाक काट ली। गंभीर हालत में युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खिरियाकला गांव निवासी देवेंद्र यादव ने गांव के विष्णु अहिरवार उर्फ मुकुल को 500 रुपये उधार दिए थे। मंगलवार की देर शाम जब देवेंद्र ने दबंग से रुपये वापस मांगे तो वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसमें चाकू से हमला बोलते हुए नाक काट ली।

अस्पताल में चल रहा उपचार

खून से लथपथ देवेंद्र घर पहुंचा तो परिजन उसे तत्काल सीएचसी जैतपुर ले गए। जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल के पिता गयादीन ने बताया कि उधार रुपये मांगने पर बेटे की नाक काट ली गई और आरोपी फरार हो गया।

शराब पार्टी में हुआ था विवाद

तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थानाध्यक्ष सत्यपाल सिंह का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। शराब पार्टी के बाद रुपये मांगने पर विवाद का मामला सामने आया है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

गंगा में छलांग लगाकर स्टंटबाजी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

कानपुर। कानपुर में जाजमऊ पुलिस ने गंगा में छलांग लगाकर स्टंटबाजी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। बीते सोमवार को पुराने गंगापुल स्थित पुल के ऊपर रेलिंग में खड़े होकर गंगा में नीचे छलांग लगने दो युवक स्टंट करते नजर आए थे। वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई थी। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।

बुधवार दोपहर में पुलिस ने चेकपोस्ट के बाद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम वाजपेई नगर जाजमऊ ऊंचा टीला निवासी अरबाज खान और आर्यन खान बताया है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि दोनों आरोपी फेमस होने के लिए अलग-अलग जगहों पर वीडियो बनाते थे। आरोपी सोशल मीडिया में रील अपलोड भी करते थे। कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

शुभांशु की सकुशल वापसी पर दुआ

कानपुर । अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की सकुशल वापसी पर खानकाह ए हुसैनी हज़रत ख्वाजा सैय्यद दाता सालार हसन शाह रहमतुल्लाह अलैह की मज़ार पर गुलपोशी इत्र केवड़ा व नज़र पेश कर खुसूसी दुआ की गई।अल्लाह का लाख लाख शुक्र अदा किया गया कि शुभांशु शुक्ला सही सलामत व कामयाबी के साथ अपने वतन वापस आये शुभांश ने 140 करोड़ जनता के सपनों को नई उड़ान दी देश का नाम और मान बढ़ाया है उन पर देशवासियों को गर्व है देशवासियों की दुआएं थी तभी शुभांशु का मिशन पूरा हुआ। हर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश के वासी गौरवान्वित है। शुभांशु ऐसे पहले भारतीय बन गए हैं, जिन्होने पृथ्वी की कक्षा में सबसे लम्बी समय तक रहकर अंतरिक्ष की यात्रा कीदुआ में इखलाक अहमद डेविड चिश्ती, सूफी मोईनुद्दीन चिश्ती, अबरार अहमद वारसी, हाजी गौस रब्बानी, मोहम्मद शाहिद,तौसीफ,अफज़ाल अहमद आदि लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने जिलाधिकारी कार्यालय में किया जोरदार प्रदर्शन

दिव्यांगों को आसरा आवास देने, आवास आवंटन में फर्जीवाड़ा की जांच, दिव्यांगजन अधिनियम 2016 लागू करने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर । राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने आज जिलाधिकारी कार्यालय में जोरदार प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दिव्यांगों को न्यायालय राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उत्तर प्रदेश के आदेश के अनुपालन में आसरा आवास योजना के पात्र दिव्यांगों को आवास आवंटित करने, आसरा आवास आवंटन में फर्जीबाड़ा ? की उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने , कानपुर नगर के सभी विभागों में दिव्यांगजन अधिनियम 2016 का अनुपालन कराने, पुलिस थानों में दिव्यांग उत्पीड़न की रिपोर्ट आसानी से दर्ज करने, पुलिस थानों सहित सभी सरकारी संस्थानों में रैम्प की व्यवस्था कराने, फेरी नीती के तहत दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने के लिए चौक चौराहों, फुटपाथ पर स्थान व दुकान आवंटित करने, गरीब दिव्यांगों के अन्त्योदय राशन कार्ड बनवाकर राशन व आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने, आरक्षण कोटे के तहत सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों में दिव्यांगजनों को आवंटित करने, दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने के लिए आटो टैम्पो का परमिट जारी करने ,अनाधिकृत रूप से आटो, टैम्पो, चार व दो पहिया वाहन चलाने वालों, बिना ड्राईविंग लाईसेंस वाहन चलाने वालों, ओवर लोड सवारी बैठानें वालों पर कठोर कार्यवाही करने व एच ब्लाक चौराहा किदवई नगर कानपुर नगर शनी मंदिर चौराहा में नगर निगम द्वारा खोदे गए गड्ढे को बन्द न कराने की मांग किया है।पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जिलाधिकारी को कई बार ज्ञापन के माध्यम से मांगों को पूरा करने के लिए कहा गया लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कोई कार्यवाही नहीं की। 18 जनवरी को दिये गये ज्ञापन में अपर जिलाधिकारी नगर ने सम्बंधित विभागों को कार्यवाही के लिए पत्र लिखा था।विभागों कि उदासीनता के चलते आज तक किसी भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। जिला प्रशासन दिव्यांगजनों को नौकरी रोजगार स्वस्थ शिक्षा सुरक्षा के प्रति संवेदनशील नहीं है।वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि न्यायालय राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उत्तर प्रदेश के आदेश के अनुपालन में आसरा आवास योजना सजारी के पात्र दिव्यांगों को आवास आज तक आवंटित नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि आसरा आवास आवंटन में फर्जीबाड़ा? किया गया है। स्वस्थ व्यक्तियों को दिव्यांग दिखाकर आवास आवंटित किए गए हैं। भ्रष्टाचार के मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए।आज के प्रदर्शन में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, आनन्द तिवारी, गुड्डी दीक्षित, अरविन्द सिंह, वैभव दीक्षित, कमलेश कुमार,गौरव कुमार, रंजीत कुमार, गोमती वर्मा, सरला , साबरा खातून, किशन अवस्थी, जौहर अली आदि उपस्थित थे।

जनता दर्शन में मिली राहत,दो साल की मशक्कत के बाद 24 घण्टे में शीला के नाम में जुड़ा मिश्रा

कानपुर, जनता दर्शन में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को सौंपे आवेदन पत्र शीला मिश्रा पत्नी स्वर्गीय अजय मिश्रा निवासी मकसूदाबाद तहसील सदर ने बताया कि खतौनी में उनका नाम शीला दर्ज है, जबकि उनका पूरा नाम शीला मिश्रा है। नाम पूरा न होने की वजह से उन्हें किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वे लेखपाल से विगत दो सालों में कई बार मिल चुकी है, लेकिन लेखपाल नाम में मिश्रा जुड़वाने के लिए उन्हें अनावश्यक दौड़ा रहा है और उन्हें कोर्ट केस करने के सलाह दे रहा है और गरीबी की वजह से वे ऐसा करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने डीएम से सहायता की गुहार लगाई। डीएम ने तत्काल एसडीएम सदर अविचल प्रताप सिंह को आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। महज 24 घण्टे के भीतर तहसील प्रशासन ने अभिलेखों की जांच कर नाम में सुधार करते हुए मिश्रा जोड़ दिया। त्वरित राहत से प्रसन्न शीला मिश्रा ने डीएम और एसडीएम का आभार व्यक्त किया और कहा कि अब उन्हें किसान सम्मान निधि से सहायता राशि मिल सकेगी।दिव्यांग को मिला भूमि पर कब्जा, दबंग नहीं करने दे रहे थे खेती ग्राम पतारा, तहसील घाटमपुर निवासिनी शशि बाला पत्नी महेंद्र पाल सिंह ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में बताया कि वे दिव्यांग हैं। उनके पति सेना से सेवानिवृत हुए हैं।उन्होंने वर्ष 2023 में 1.612 हेक्टेयर भूमि का बैनामे से क्रय किया था। भूमि विभिन्न गाटो में है। लेकिन गांव के कुछ दबंग उन्हें अपने भूमि पर खेती करने नहीं दे रहे हैं। साथ ही रंगदारी की भी मांग कर रहे हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर गई और प्रकरण की जाँच की जिसमें पाया गया कि राजस्व अभिलेखों में शशि बाला के नाम से संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है और उसके आधार पर विभिन्न गाटों में स्थित उसकी भूमि पर उसका कब्जा दखल कर दिया गया है।

कानपुर में भाजपा के गढ़ में सम्मान समारोह कर कांग्रेसियों ने ठोंकी ताल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। लालबंगला स्थित श्री काली जी हनुमान जी मंदिर प्रांगण में भाजपा के गढ़ में कांग्रेसियों ने सम्मान समारोह कर ताल ठोंका है और नवनियुक्त पदाधिकारियों को नसीहत दी है कि वे लोगों की मदद करने के लिए संघर्ष करें, जमीन पर उतरें।

शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण द्वारा लाल बंगले में नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा दिन शेष नहीं रह गए हैं। कॉंग्रेस के सिपाहियों का दायित्व है कि वे जनसमस्याओं को हल कराने के लिए जमीनी संघर्ष करें। पूर्व विधायक पंडित भूधर नारायण मिश्रा ने कहा कि 1980 के बाद कांग्रेस एक बार फिर सत्ता की ओर अग्रसर है। भाजपा से जनता त्रस्त हो चुकी है।

पूर्व महिला प्रदेश कॉंग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा अटल पाल ,कृपेश त्रिपाठी, देवी प्रसाद निषाद,मानेश दीक्षित, बाबू राम सोनकर, पूर्व पार्षद अरुण द्विवेदी,अनिल पांडे, विजय शंकर निषाद, अंकित

कन्नौजिया,अतहर नईम,शिव नाथ शुक्ला, इखलाक अहमद डेविड, सतीश दीक्षित ने संबोधित किया। संचालन सुनील राजदान ने किया जबकि कार्यक्रम संयोजक देवी प्रसाद निषाद रहे। सम्मानित होने वाले नवनियुक्त पदाधिकारी- विजय शंकर निषाद,,देवी प्रसाद निषाद,संदीप मिश्रा, बाबू राम सोनकर, ममता तिवारी, विजय त्रिवेदी, दिनेश त्रिवेदी, अभिषेक दीक्षित, शीलू दुबे, अंकिता यादव, सुरेंद्र यादव, कुलदीप तिवारी, सज्जन तिवारी,डाक्टर आरके. सिंह, विवेक चंद्र अवस्थी एवं रजनी बाल्मीकि आदि थे।

19वें दिन उत्तर के 10 मंडलों की कमेटियां घोषित

भाजपा ने जद्दोजहद के बाद शनिवार को उत्तर जिले के 10 मंडलों की कमेटियां घोषित कर दीं। उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित की संस्तुति पर देर शाम मंडल अध्यक्षों ने सूची जारी कर दी। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने बताया जिले के 14 मंडलों में 10 मंडलों की समितियां घोषित की गई हैं, जल्द ही शेष मंडलों की सूची जारी होगी।

भाजपा दक्षिण जिले ने एक जुलाई को 12 मंडलों की मंडल कार्यकारिणी घोषित की थी। श्याम नगर मंडल में मंडल अध्यक्ष की घोषणा न होने की वजह से वहां कमेटी नहीं बनाई जा सकी। इसके बाद से ही उत्तर जिले की कमेटियों की सूची का इंतजार था। भाजपा में आपसी खींचतान की वजह से सूची अटकी हुई थी। शनिवार को कलक्टरगंज मंडल, रामलला, लाजपत नगर, जनरलगंज, पनकी, सिविल लाइंस, चुन्नीगंज, नारामऊ, कौशलपुरी, तिलक नगर मंडल की कमेटियों की घोषणा कर दी गई। मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि गीता नगर, कल्याणपुर, रायपुरवा और रतनलाल नगर की कमेटी अभी नहीं बनी है। आखिरी फैसला होते ही सूची घोषित कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि गीता नगर, कल्याणपुर, रायपुरवा में अभी मंडल अध्यक्ष भी घोषित नहीं हुए हैं। रतनलाल नगर में मंडल अध्यक्ष तो घोषित है लेकिन कमेटी की घोषणा नहीं हुई है।

मंगल पांडेय प्रतिमा के पास गंदगी देख भड़के कांग्रेसी, किया श्रमदान

कानपुर नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने 1857 की क्रांति के ध्वजवाहक अमर शहीद मंगल पांडेय की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर कांग्रेसजन पहुंचे लेकिन प्रतिमा के आसपास गंदगी देख भड़क गए। कांग्रेसियों ने नगर निगम की लापरवाही पर आरोप लगाया और उसके बाद श्रमदान किया।

शनिवार को नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला की अगुवाई में पदाधिकारी एवं पार्टी कार्यकर्ता नानाराव पार्क पहुँचे और शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा के आसपास सफाई अभियान चलाया। मंगल पांडेय प्रथम स्वतन्त्रता के संग्राम के प्रथम क्रांतिकारी थे जिन्होंने 1857 में मेरठ की बैरकपुर छावनी में इनफील्ड राइफल में प्रयोग होने वाले कारतूस में प्रयोग होने वाली गाय और सुवर की चर्बी के विरोध में उन्होंने विद्रोह किया था जिसके बाद लेफ्टिनेंट वाघ पर हमला किया जिसके बाद 6 अप्रैल 1857 को उनका कोर्ट मार्शल करके 8 अप्रैल 1857 को फांसी दी गयी।1984 को भारत सरकार ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया। दीप पांडेय, आमोद त्रिपाठी, शक्ति पांडेय, चंद्र मौली बाजपेई, अजय सिंह, राकेश शुक्ला, जेपी द्विवेदी, विवेक श्रीवास्तव,अनिल विश्वकर्मा,राहुल कुमार, प्रदीप द्विवेदी आदि मौजूद थे।

क्यूआर कोड के लिए ई-रिक्शा चालकों का हंगामा, नगर निगम में बड़ी संख्या में पहुंचे चालक

एक दिन में 60 क्यूआर बांट रहा निगम, अपर नगर आयुक्त व पुलिस ने पहुंच शांत कराया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम स्थित नागरिक सुविधा केंद्र में शनिवार को क्यूआर कोड के लिए ई-रिक्शा चालकों ने हंगामा किया। जरूरत से ज्यादा पहुंचे चालकों ने क्यू आर कोड के लिए नारेबाजी की। हंगामा बढ़ा तो अपर नगर आयुक्त समेत स्वरूप नगर थाने की पुलिस पहुंची और लोगों को टोकन बांटकर शांत कराया।

शहर में इन दोनों ई-रिक्शा चालकों का रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। इसके बाद उनको एक क्यूआर कोड वाला स्टीकर में रूट लिखा हुआ मिलेगा। जिससे वह निर्धारित रोड पर रिक्शा का संचालन कर सकेंगे। रोजाना नगर निगम मुख्यालय पर बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक क्यूआर कोड के लिए पहुंचते हैं। शनिवार को भी बड़ी संख्या में लोग रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचे थे, कि अचानक हंगामा शुरू कर दिया।

हंगामें की सूचना पर अपर नगर आयुक्त प्रथम मो. आवेश और क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझा कर शांत कराया। इसके वहां मौजूद लोगों को टोकन दे दिया गया। अपर नगर आयुक्त मो. आवेश खान ने बताया है कि ई रिक्शा रजिस्ट्रेशन करने को लोग यहां पहुंचते हैं। आज संख्या ज्यादा हो जाने के चलते कुछ दिक्कतें आई थी।

सभी को शांत करा कर समस्या का समाधान कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन कराने आए लोगों को टोकन व डेट लिखकर दे दी गई है। रोजाना 60 लोगों को रजिस्ट्रेशन होगा और क्यूआर कोड बांटा जाएगा। हंगामें की सूचना पर बाद में महापौर प्रमिला पांडेय भी पहुंची और लोगों को शांत कराया।

राज्यपाल का करीबी बता मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा दे 27 लाख ठगे

कानपुर। बलरामपुर में तैनात डॉक्टर ने खुद को राज्यपाल का करीबी बताकर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला कराने का झांसा दिया और 27 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने शनिवार को आरोपी डॉक्टर और उसके साथी के खिलाफ बर्रा थाने में धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।बर्रा थानाक्षेत्र के डब्ल्यू टू जूही कला हेमेंद्र सिंह के अनुसार, 25 जुलाई 2022 को उनकी मुलाकात लखनऊ के गोमतीनगर स्थित बेतवा अपार्टमेंट निवासी डॉ. देवेंद्र सिंह से हुई थी। डॉक्टर ने बताया था कि उनका भाई पीएम कार्यालय में है। उसकी प्रदेश सचिवालय और राज्यपाल से अच्छी जान पहचान है। आश्वासन दिया कि बेटे को सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला दिला देगा। दाखिला दिलाने के लिए दो से 26 अगस्त 2022 के बीच 50.80 लाख रुपये ले लिए। डॉक्टर ने खुद 14 लाख रुपये लिए शेष रुपये लखनऊ निवासी दोस्त अमन श्रीवास्तव के बैंक खाते में आरटीजीएस करवा दी। दाखिला न होने पर रुपये मांगे तो डॉक्टर ने 28 जून 2023 को 24 लाख रुपये लौटा दिए। बाकी रकम मांगने पर धमकी दी। बर्रा इंस्पेक्टर नीरज ओझा ने बताया कि डॉक्टर और उसके साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर आरोपों की जांच की जा रही है।

जीजेसी ने आभूषण खरीदारी महोत्सव 'लकी लक्ष्मी' की घोषणा

कानपुर। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) की ओर से शनिवार को सिविल लाइंस स्थित होटल में लाभम सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें त्योहारी सीजन के दौरान दुनिया के सबसे बड़े आभूषण खरीदारी महोत्सव 'लकी लक्ष्मी' की घोषणा की गई। महोत्सव 22 सितंबर से नौ नवंबर तक पूरे भारत में आयोजित किया जाएगा। इसमें अंतिम उपभोक्ताओं को रत्न एवं आभूषण उद्योग में अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।इंडिया जेम एंड ज्वैलरी शो (जीजेएस) भारत की प्रमुख बीटूबी आभूषण प्रदर्शनी 16 से 19 सितंबर तक मुंबई में आयोजित होगी। इस मौके पर जीजेसी के अध्यक्ष राजेश रोकड़े, क्षेत्रीय अध्यक्ष उत्तर डॉ. रवि कपूर, उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद्र जैन, उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, निदेशक एवं लाभ संयोजक वर्धमान (आशीष) कोठारी, नितेश और गौरव मौजूद रहे।

बच्चों के पीटने के विरोध में चले लाठी-डंडे, क्रॉस रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। बजरिया थानाक्षेत्र में सोमवार को बच्चों को पीटने का विरोध करने पर दो दर्जन लोगों ने सरिया और लाठियों से हमला कर दिया। बीचबचाव में घर की महिलाओं को भी पीटा। वहीं, दूसरे पक्ष ने भी रास्ते में रोककर पीटने का आरोप लगाया। डीसीपी के आदेश पर थाने की पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की।

नाला रोड मुन्नापुरवा निवासी अकील की पत्नी खुशनुमा ने बताया कि 14 जुलाई की रात 10:30 बजे कई युवक बच्चों को पीट रहे थे। विरोध किया तो राजा, जैद, अरबाज, मुन्ना उर्फ चीटी, मूरूल समेत अन्य 15-20 लोगों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया।

बेटी का बर्थडे मनाने वाराणसी गए जेई के यहां लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर में चोरों ने दो घरों से लाखों रुपये का माल पार कर दिया। मकान मालिक के केस्को के जेई के घर से नकदी समेत लाखों रुपये के गहने चोरी हो गए। वह बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए वाराणसी गए थे। शनिवार की शाम को घर आने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने घर की जांच की।आवास विकास अंबेडकरपुर निवासी शिशिर श्रीवास्तव एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। यहां किराए पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले बुआ की तबियत बिगड़ी तो उन्हें देखने परिवार के साथ बाराबंकी गए थे। शनिवार शाम को लौटे तो घर का मेन गेट

का ताला टूटा मिला।

उन्होंने बताया कि चोर जेवर समेत कीमती सामान ले गए हैं। उन्होंने बताया कि मकान की ग्राउंड फ्लोर पर केस्को जेई रविकांत रहते हैं। वो नवाबगंज में तैनात हैं। वो परिवार के साथ बेटी का बर्थडे मनाने बनारस गए हैं।उनके घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। दोनों घरों से चोर लाखों रुपए का माल ले गए हैं। कल्याणपुर थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल कराई जा रही है।

मैनेजर ने की सहकर्मी से छेड़छाड़, हंगामे के बाद आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। रावतपुर थानाक्षेत्र में स्थित मार्केटिंग कंपनी के मैनेजर ने सहकर्मी के साथ छेड़छाड़ की। जानकारी पर शनिवार को परिजनों संग पहुंचे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रावतपुर की रहने वाली युवती ने बताया कि वह एक डिजिटल मार्केटिंग फर्म में कार्यरत है। यहां पर यशोदानगर निवासी फैजान हुसैन वारसी मैनेजर है।

मैनेजर अक्सर उसके नंबर पर अश्लील मैसेज और छेड़छाड़ करता है। जानकारी के बाद परिजन बजरंग दल के जिला प्रमुख राम अभिषेक द्विवेदी ने राजा, गणेश आदि के साथ थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। काफी समय हो जाने के बाद भी जब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो कार्यकर्ता हंगामा करने लगे। इसके बाद रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी फैजान हुसैन वारसी को गिरफ्तार कर लिया। रावतपुर इंस्पेक्टर केके मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

हिसार घटना की निष्पक्ष जाँच हो बाल्मीकि परिवार को न्याय मिले

कानपुर, राष्ट्रवादी स्वच्छकार परिषद कानपुर ने जिलाधिकारी कानपुर नगर के माध्यम से महामहीम राष्ट्रीय को 9 सूत्रीय ज्ञापन भेज कर भौग की है कि हरियाणा के हिसार में दिनांक 07 जुलाई को थाना मिलगेट्स के अन्तर्गत बाल्मीकि बस्ती में विक्रम बाल्मीकि के पुत्र गणेश बाल्मीकि के जन्म दिन के कार्यक्रम में बज रहे साउण्ड को लेकर क्षेत्रीय पुलिस ने न सिर्फ विरोध किया बल्कि जातिवादी मानसिकता के तहत बाल्मीकि समाज के लोगों को जाति सूचक गालियां दी तथा बरबरता के साथ मारपीट की पुलिस कर्मियों ने घर में घुसकर महिलाओं तथा बच्चों को बुरी तरह मारा। पुलिस के मार से घबराकर अपने दोस्त के साथ छत में जाकर छिप गया परन्तु पुलिस वाले वहाँ भी पहुँच गये उन्हें लाठी डन्डों तथा बन्दूक की बट से मारा और नीचे फेंक दिया जिससे गणेश बाल्मीकि की मौत हो गयी। पीडित परिवार अपने परिजनों तथा समाज के लोगों के साथ आज तक धरना पर बैठा हुआ परन्तु उसकी कहीं सुनवाई हो रही है। उनकी रिर्पोट आज तक नहीं लिखी गयी है। उन्हें कहीं से न्याय मिलने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। संगठन के महामहिम से अनुरोध किया है उक्त वीभत्स घटना की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करके बाल्मीकि परिवार को न्याय दिलाने की कृपा करें।इ

बिरहाना रोडः सराफा कारखाने में गैस सिलिंडर फटने से लगी आग,दो कारीगर झुलसे, उर्सला में भर्ती

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सराफा कारखाने में गैस सिलिंडर फटने से आग लग गई। जिससे दो कारीगर झुलस गए। घटना बिरहाना रोड की तंग गली में हुई।

बिरहाना रोड स्थित सराफा कारखाने में शनिवार की शाम एलपीजी गैस सिलिंडर फटने से आग लग गई। इसकी चपेट में आने से दो कारीगर गंभीर रूप से झुलस गए। लपटें देखकर चीख पुकार मच गई। क्षेत्रवासियों ने दमकल कर्मियों के साथ मिलकर कारीगरों और ऊपर फंसे 14 लोगों को बाहर निकाला। तंग गली में दमकल की गाड़ियां न पहुंचने पर पाइप से पानी डालकर आग बुझाई गई। इसमें दो गाड़ियों को करीब एक घंटे की मशक्कत करनी पड़ी।

बिरहाना रोड पर सुरेश शर्मा का सराफा का कारखाना है। यहां अगल बगल की दुकानों में भी सोने और चांदी के आभूषण बनाए जाते हैं। शनिवार की शाम करीब पौने सात बजे पश्चिम बंगाल का सर्वेश और मयंक काम कर रहे थे। अचानक एलपीजी गैस सिलिंडर में रिसाव हुआ। दोनों कुछ समझ पाते इससे पहले ही तेज धमाके के साथ सिलिंडर फट गया।आग की लपटें चारों तरफ फैल गईं। सिलिंडर के धमाके से आसपास के लोग बाहर निकल आए। इसमें दो कारीगर झुलस गए। इन्हें उर्सला अस्पताल ले गए। पुलिस को सूचना दी गई।एसीपी कलक्टरगंज आशुतोष सिंह, कलक्टरगंज थाना प्रभारी ललित कुमार तिवारी मौके पर पहुंच गए। लाटूश रोड फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।तंग गली होने की वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़िया अंदर नहीं जा सकीं। बड़े वाले पाइप लगाकर पानी गली में पहुंचाया गया। क्षेत्र के लोगों ने भी पाइप लगाकर आग बुझाने का प्रयास किया।ऊपर फंसे लोगों को आसानी से निकाल लिया गया। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि कॉमर्शियल सिलिंडर फटने से आग लगी है।इसकी जांच कराई जा रही है। बिरहाना रोड पर कई कारखाने बिना मानक के चल रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिस को व्यापारी की गाड़ी का चलान करना पड़ गया भारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर, पुलिस यातायात के कानून को लेकर सक्रिय हो चुकी है लेकिन कहीं-कहीं पर नो एंट्री का बोर्ड ना लगने से वाहन स्वामियों को भारी चालान का सामना करना पड़ा है ऐसा ही प्रकरण व्यापारी नेता के साथ हुआ व्यापारी नेता रौवेल गुप्ता का व्यापार भाड़ा पहुंचने का है नो एंट्री का बोर्ड ना लगने से वहां को ड्राइवर ले घुसा फिर क्या था ट्रैफिक के सिपाही ने चालान कर दिया चलन कुछ ही मिनट में वाहन स्वामी के पास पहुंच गया। इस प्रकरण में समस्त अधिकारों संपर्क किया साथ ही साथ जिलाधिकारी एवं ट्रैफिक अधिकारियों से इस बात पर पत्र के माध्यम से शिकायत की बताया कि मेरी गाडी सं0 क्र4ज्ञ5666 दिनांक 07.07.2025 की रात को 4 से 4-30 के मध्य भोर में फजलगंज पार्टी के पास पहुंची। सुबह 10 बजे पार्टी आयी और गाड़ी खाली होना चालू हुयी और करीब शाम को 6 बजे गाड़ी खाली हो गयी जिसके बाद फैक्टरी मालिक ड्राइवर से बोला जाओ खाली गाड़ी का कांटा विशाल धर्म कांटे से करा कर लाओ। तब ड्राइवर बोला बाबूजी यह बजरंग धर्मकांटा बगल में है यहां कोई भीड़भाड़ नही तो आप कांटा विशाल धर्म कांटे में क्यों करा रहे है तो फैक्ट्री मालिक बोला मेरी तीन गाड़िया और जा रही है तुम उन गाड़ियो के पीछे जाओ और रोड पार करके विशाल धर्मकांटे में कांटा करा कर लाओं वहा कोई नो एन्ट्री नही है और न ही तुम्हे कोई पुलिस वाला हांथ देगा और वैसा ही हुआ जब्कि उस चौराहे पर भद्दर ट्रैफिक था और कई ट्रैफिक पुलिस कर्मी खड़े हुए थे जिसमे मुख्य रूप से टैफिक टीआई हरिकेश आर्या भी मौजूद थे इन सबके होते हुए भद्दर टैफिक के बीच में एक रूट से दूसरी तरफ चारो गाड़ी पार हुयी और विशाल धर्मकांटा पहुंची जिसमे से आगे की तीन गाड़ी कांटा कराके वापस चौराहे की तरफ मुड़ी। जब मेरी चौथी गाड़ी वापसी मुड़ी तब एकदम से कार व बाईको का जमावड़ा गाड़ी के आगे आ गया। जबकि उन्ही पुलिसकर्मीयों की वजह से रोड पार करके बिना रोक टोक एक तरफ से दूसरी ओर गाड़ियां आयी तब जाम लगा पर पुलिसकर्मीयों द्वारा व टीआई द्वारा अपनी गलती न मानते हुए मेरी गाड़ी का 20000/- का चालान (चालान सं0 दिनांक 07.07.2025 फजलगंज क्र211216250707193129 समय 07-31 बजे इण्डस्ट्रिअल इस्टेट कानपुर नगर, उ0प्र0 208012) कर दिया और ड्राइवर की एक न सुनी जब मैं एक से डेढ़ घण्टे बाद मैं चौराहे पर पहुंचा तब मौके से टीआई हरिकेश आर्या जा चुके थे और लगातार भारी वाहन आ जा रहे थे जब मैने वहां मौजूद ट्रैफिक कर्मी से पूछा कि मेरा 20000/- चालान हो गया तो मुझसे वह चिल्लाने लगे और जिसने किया है उससे बात करो और यहां से भागो जब मैने पूछा तो यहां तो भारी वाहन आ जा रहे है और न ही कोई ना एन्ट्री का बोर्ड है तो मेरी गाड़ी का चालान कैसे हुआ पुलिसकर्मी बोला यहां से निकलो ज्यादा बहस न करो तुम यहां से निकलो तब वहां पास में एक व्यक्ति ने बताया कि आप टैफिक लाइन जाकर यह चालान खत्म करा सकते है क्योकि यह गलत हुआ है।

समाजवादी पार्टी पीडीए अभियान कानपुर महानगर के दीपक खोटे संयोजक घोषित

कानपुर गुरुवार समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के निदेशानुसार कानपुर महानगर में पीडीए अभियान का संयोजक दीपक खोटे को घोषित किया है

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव मिन्टू ने किया महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि दीपक खोटे संयोजक कानपुर महानगर के 400 मतदान केंद्रों के परिवारों के बीच पीडीए पंचायत करेंगे जिसमें संविधान और सपा की नीतियों तथा सिद्धांतों को तथा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों से भी अवगत करायेगे ! इस अवसर पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के के शुक्ला संजय सिंह बंटी सेंगर शैलेंद्र यादव मिन्टू नितेंद्र यादव आदि नेताओं ने सर्वप्रथम स्वर्गीय प्यारेलाल गुप्त के चित्र पर माल्या अर्पण कर उनको अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के के शुक्ला,महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू,राष्ट्रीय प्रवक्ता डा.नीतेंद्र यादव,हेमंत गुप्ता,नंदलाल जयसवाल,अम्बर त्रिवेदी,आनंद शुक्ल,रजत मिश्रा,मुमताज मंसूरी,आकाश यादव,दीपक खोटे,शादाब आलम,शिवकुमार बाल्मिक,नवीन दिक्षित,अनुज निगम आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अटल आरोग्य संघ ने डॉ अतुल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में नशा मुक्ति शिविर लगाया

पारिवारिक हिंसा में नशा बना प्रमुख कारण....ज्योति बाबा

बीपीएस न्यूज

कानपुर । हमारे समाज में युवा पीढ़ी को नशे की ओर अग्रसर होते देख किसे दुख नहीं होता दुर्भाग्य से पिछले 5 से 10 सालों में यह बुराई बुरी तरह बढ़ती जा रही है इसीलिए आज बाबा भोलेनाथ की कृपा से हमने नशा मुक्ति शिविर लगाने की श्रृंखला मरियमपुर चौराहे के पास शुरू की है उपरोक्त बात राष्ट्रीय अटल आरोग्य संघ के तत्वाधान में सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के सहयोग से

आयोजित नशा मुक्ति शिविर के समापन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने कहीं, डॉक्टर मिश्रा ने जोर देकर कहा कि आए हुए ज्यादातर मरीज पान मसाला

और शराब के आए जिनमें मुंह ना खुलने की समस्या सबसे ज्यादा पाई गई।20न मरीजों में लीवर की समस्या भी मिली।

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख एशिया बुक का वर्ल्ड रिकॉर्ड दरी योग गुरू ज्योति बाबा ने मरीजों की काउंसलिंग में पाया कि उनमें तनाव कुंडा हताशा निराशा और बेरोजगारी के चलते किसी ने किसी प्रकार का नाश करने लगे हैं जो आगे चलकर कब लत बन जाती है मालूम ही नहीं पड़ता है इसीलिए सामाजिक संगठनों को स्वास्थ्य शिविर की तरह अब नशा मुक्ति शुगर लगाने चाहिए ताकि काउंसलिंग के साथ फ्री इलाज भी मिल सके। नशा व्यक्ति की सेहत ही नहीं बल्कि परिवार पर घातक प्रभाव डाल रहा है सभी को मिलकर योगी जी के ड्रग्स फ्री उत्तर प्रदेश संकल्प को साकार करना होगा तभी भारत को 2047 में दुनिया का विकसित राष्ट्र बना सकते हैं आए हुए नशे के सभी रोगियों ने इस निशुल्क नशा मुक्ति शिविर की प्रशंसा की। शिविर के अंत में सभी को नशा मुक्त भारत का संकल्प श्री श्री ज्योति बाबा ने कराया। अन्य प्रमुख शिविर सहयोगी पवन द्विवेदी, आशीष कुमार सिंह, मोनू कुमार, दुर्गा,अंकिता इत्यादि थी।

महिलाओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

कानपुर ।कानपुर विशेषकर दक्षिण क्षेत्र में टूटी गड्ढे दार सड़कों और उनमें बारिश में हो रहे भीषण जलभराव के विरोध में आज कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता और महानगर महासचिव व महिला प्रकोष्ठ प्रभारी सीता अग्निहोत्री के नेतृत्व में काफी संख्या में कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं ने बर्रा 2 की टूटी गड्ढेदार खूनी सड़कों पर खड़े होकर सड़कों पर फूल माला चढ़ाकर अगरबत्ती दिखाकर टूटी खूनी सड़कों को प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि देते हुए कानपुर की दुर्दशा को उजागर करने का काम किया।अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार के झूठे और कागजी विकास के पोल खोल अभियान के तहत आज कानपुर महानगर कांग्रेस ने सड़कों के खस्ताहाल,टूटी गड्ढे सड़कों से आम जन को हो रही परेशानी और सरकार की संवेदनहीनता को उजागर किया।कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि दक्षिण में हालात नरक जैसे हैं जबकि सांसद, मेयर,विधायक भाजपा के हैं।पवन गुप्ता ने कहा कि आम जन,व्यापारी,मजदूर सब लोगों का जीना बेहाल है।सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित हैं।टूटी सड़कें या खूनी सड़कों से पूरा कान्हे त्रस्त है।भाजपा सरकार ने स्मार्ट सिटी का वादा करके गड्ढा सिटी बना दिया।

आए दिन जलभराव और गड्ढों में हादसों और लोगों की जान तक जाने की खबर आ रही हैं।पर सरकार और प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता,महासचिव और महिला प्रकोष्ठ प्रभारी सीता अग्निहोत्री,प्रतिभा अटल पाल,पूजा भारद्वाज,संतोष त्रिपाठी,विद्या वर्मा,शशि सिंह,प्रियंका शर्मा,पिंकी भाटिया,विजय लक्ष्मी,शशि,रानी यादव,गीता कुशवाहा,रंजना राणा सुधा चौहान,सीमा अरोरा अर्चना साहू,प्रभा सिंह,गुरजीत कौर,तरन रितु,किरण अरोरा आदि थे।

निर्माण श्रमिकों के लिए कन्या विवाह पर 55,000 की सहायता

कानपुर। निर्माण श्रमिकों के सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा कन्या विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के माध्यम से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को अपनी पुत्रियों के विवाह पर ?55,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।जिलाधिकारी श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना श्रमिक परिवारों को विवाह जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक अवसरों पर राहत देने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह पहल श्रमिकों के सामाजिक उत्थान की दिशा में एक मजबूत कड़ी है।उन्होंने बताया कि योजना का लाभ केवल उन्हीं श्रमिकों को मिलेगा जिनका बोर्ड में पंजीकरण कम से कम एक वर्ष पुराना हो, पंजीकरण सक्रिय हो तथा नियमित अंशदान किया गया हो। विवाह की तिथि प्रस्ताव की तिथि के बाद की होनी चाहिए और विवाह के समय वधू की आयु न्यूनतम 18 वर्ष एवं वर की आयु न्यूनतम 21 वर्ष होना अनिवार्य है। एक श्रमिक अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह हेतु ही इस योजना का लाभ ले सकता है।डीएम ने बताया कि योजना का आवेदन विवाह से पूर्व अथवा विवाह के 90 दिन के भीतर किया जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है

और ह्वश्चड्डश्ष्2.द्बठ्ठ पोर्टल पर उपलब्ध है। एवं स्वयं तथा ष्टस्ष्ट/ जन सेवा केंद्र से भी आवेदन कर सकते है। आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज़ जैसे श्रमिक पंजीकरण प्रमाण पत्र, बेटी का जन्म प्रमाण पत्र, वर-वधू की आयु का प्रमाण, विवाह प्रमाण पत्र (यदि विवाह हो चुका हो), बैंक पासबुक की प्रति और श्रमिक का हालिया फोटो आवेदन के साथ संलग्न करना आवश्यक है।जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की कि वे इस योजना की जानकारी प्राप्त कर समय से आवेदन करें और पात्र होने पर इसका लाभ अवश्य लें। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य पात्र श्रमिकों को जागरूक करने में भी सभी लोग भागीदार बनें, जिससे कोई भी ज़रूरतमंद इस सहयोग से वंचित न रह जाए।

हिसार की घटना पर कानपुर नगर में विरोध प्रदर्शन व ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर, हिसार हरियाणा मे दलित युवक गणेश बाल्मीकि की पुलिस द्वारा बर्बता से हत्या के विरोध मे दलित शोषण मुक्ति मंच कानपुर व भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज (भावधस भीम) के तत्वाधान मे जिलाधिकारी कानपुर नगर को ज्ञापन दिया !कानपर नगर के जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह जी ने भी घटना पर दुख जताते हुये निन्दा की !सह-संयोजक चमन खन्ना ने बताया कि दिनॉक 07-07-2025 को हिसार थाना एच टी एम मिलगेट, जिला हिसार (हरियाणा) मे गणेश बाल्मीकि पुत्र विक्रम उम्र लगभग 16 वर्ष अपना जन्मदिन मना रहा था। गणेश दोस्त के साथ अपने दरवाजे साऊंड बजाकर डॉस कर रहा था तभी कुछ पुलिस कर्मी जो नशे मे थे गाली देकर साऊन्ड बन्द करने को कहा गणेश ने गाली का विरोध किया तो गणेश को लाठियो से पीटना शुरु किया घरवालो के बीच बचाओ करने पर घर वालो को भी पीटा। गणेश डर के छत पर चढ़ छुप गया जहॉ नशे मे धुत पुलिस वालो ने छत पर जाकर पीटा और छत से फेंक दिया जिसे गणेश की तत्यकाल मौत हो गई। पुलिस वालो ने आसपास के सार सीसी कैमरे तोड़ दिये जिससे सबूत न मिल पाये ! परिवार वालो ने दोषी पुलिस कर्मियो के खिलाफ एफ आई आर करने के लिये प्रार्थना पत्र दिया परन्तु दस दिन बीत जाने के बाद एफ आई आर दर्ज नही हुई जिससे मृतक गणेश का पोस्टमार्टम नही हो पा रहा जिसे दुखी परिवार हिसार मे धरने पर बैठा है।हिसार प्रशासन की इस तरह की हिटलार शाही के खिलाफ पूरे देश के बाल्मीकि समाज मे रोष व्याप्त है। यदि दोषियो के खिलाफ कार्यवाही नही होती है तो पूरे देश मे आन्दोलन करने के लिये बाध्य होगे ज्ञापन देने वालो मे सुनील कुमार अध्यक्ष,प्रदीप बाल्मीकि, एड0 कमल कुमार,प्रमोद बाल्मीकि,सुनील राजदान, राजेश भारतीय,अनिकेत सुनील बाल्मीकि,सुरेश बक्शी, अमरनाथ बाल्मीकि,अमित नागवंशी,राकेश पेन्टर, रामप्रकाश भारतीय,गौरव कुमार, रज्जन कुमार,रमेश, लालता प्रसाद,सुशील,सनी आदि लोग उपस्थित थे !

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण एवं निरीक्षण प्रकरणों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने नियमों के अनुपालन, त्वरित निस्तारण एवं सूचना बोर्ड लगाने के दिए निर्देश

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994 के अंतर्गत समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी, कानपुर नगर की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अधिनियम के अंतर्गत नामित सदस्यों की उपस्थिति रही।बैठक में पंजीकरण, नवीनीकरण, स्थल परिवर्तन, चिकित्सक एवं मशीन जोड़े जाने से संबंधित प्राप्त प्रार्थना पत्रों का जिलाधिकारी द्वारा अवलोकन किया गया। नामित मजिस्ट्रेट तथा संबंधित चिकित्सकों की संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर प्रकरणवार विचार-विमर्श करते हुए विभिन्न आवेदनों में संस्तुति प्रदान की गई एवं कुछ प्रकरणों में नोटिस निर्गत किए जाने की कार्रवाई की गई।बैठक में नवीन पंजीकरण के कुल 12 आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 8 को संस्तुति प्रदान की गई। नवीनीकरण के लिए प्राप्त 14 आवेदनों में से 11 को स्वीकृति दी गई तथा 3 पर नोटिस जारी किए गए। स्थल परिवर्तन के 2 आवेदनों में से 1 को संस्तुत किया गया। चिकित्सक जोड़े जाने हेतु प्राप्त 2 आवेदनों को अनुमोदन प्रदान किया गया, जबकि मशीन जोड़े जाने के 6 में से सभी 6 आवेदनों को स्वीकृति दी गई।जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि विगत तीन वर्षों में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत नियमों के उल्लंघन के मामलों में कितने चिकित्सा संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

नमाज के दौरान कांवड़ियों का डीजे जुलूस रोका, हमले का आरोप

प्रयागराज ज़िले के मऊआइमा के सराय ख्वाजा इलाके में शुक्रवार की नमाज़ के दौरान कांवड़ियों (वार्षिक कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालु) और मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच झड़प के बाद तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। बताया जा रहा है कि यह विवाद धार्मिक जुलूस के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुआ। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कांवड़ यात्रा का जुलूस सराय ख्वाजा इलाके से तेज़ डीजे संगीत के साथ गुजर रहा था, तभी पास की एक मस्जिद में शुक्रवार (जुमा) की नमाज़ अदा की जा रही थी। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज़ के दौरान तेज़ संगीत बजाने पर आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों समूहों के बीच तीखी बहस हुई।यह बहस जल्द ही बढ़ गई और मारपीट में बदल गई। कांवड़ियों ने आरोप लगाया कि उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें डीजे सिस्टम बंद करने के लिए मजबूर किया गया। सूचना मिलने पर, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को शांत कराया, जिससे कांवड़ियों की यात्रा शांतिपूर्वक जारी रही। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए इस घटना के सिलसिले में मुस्लिम समुदाय के तीन लोगों को हिरासत में लिया है। झड़प में कथित संलिप्तता के लिए 15 नामजद लोगों सहित 65 लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है।मीडिया से बात करते हुए, पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि मामले की जाँच चल रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने आगे की कार्रवाई को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई की और आवश्यक कानूनी कदम उठाए हैं। हमारी प्राथमिकता सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों।शांति बनाए रखने और आगे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। दोनों समुदायों से अधिकारियों के साथ सहयोग करने और ऐसी गतिविधियों से बचने का आग्रह किया गया है जिनसे तनाव और बढ़ सकता है।

बड़े स्तर पर कराया जा रहा था धर्मांतरण, 200 से ज्यादा लोगों का धर्म बदलवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

धर्मांतरण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। कई बार इस कारण देश के कई हिस्सों में हिंसा को भड़कते देखा गया है। इस कारण कई लोगों ने अपनी जान भी गवाई है । काफी समय से पुलिस प्रसाशन की सख्ती के कारण इसमें कुछ कमी आयी थी लेकिन छोते स्तर पर लोग इसका काफी ज्यादा शिकार हो रहे हैं। ताजा खबरें उत्तर प्रदेश के बरेली जिसे से आ रही हैं। जहां एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है।

बरेली जिले की फरीदपुर थाना पुलिस ने 200 से अधिक लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर उनका धर्मांतरण कराने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बरेली दक्षिणी क्षेत्र की अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अंशिका वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान लालजी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मऊ जिले का निवासी है। उन्होंने बताया कि लालजी के पास से जो कागजात व पुस्तकें मिली हैं, उनसे लग रहा है कि वह लोगों का धर्म परिवर्तन कर रहा था। एएसपी ने कहा कि आरोपी के संपर्कों और आर्थिक स्रोत की जानकारी के लिए पुलिस सघन जांच कर रही है और जल्द सच्चाई सामने आएगी।

पुलिस के अनुसार लालजी योजनाबद्ध तरीके से अब तक 200 से अधिक लोगों का धर्मांतरण करा चुका था, जिनके नाम उसने डायरी में नोट किए थे। इसके अलावा पुलिस ने उसके कमरे से बाइबिल और चार डायरी आदि भी बरामद की है। पुलिस आरोपी के बैंक खातों और मोबाइल पर लोगों से हुई बातचीत की भी जानकारी हासिल कर रही है।

एएसपी ने बताया कि सोमवार को पुलिस ने विधिक प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार लालजी पर आरोप है कि वह हिंदू धर्म के आर्थिक रूप से कमजोर व अशिक्षित महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को रुपये, नौकरी, मकान और विवाह जैसे प्रलोभन देकर उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करता था।

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता सुनील कुमार को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने खुद आरोपी की सभा में जाकर इसकी पुष्टि की और पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने इस संबंध में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से मिली चार डायरी से और भी राज सामने आने की संभावना है। इन डायरियों में क्षेत्र के तमाम लोगों के नाम लिखे हैं और हर नाम के आगे लिखा है, ''उपदेश दे दिया गया।''

फरीदपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राधेश्याम ने बताया कि इससे पुलिस अनुमान लगा रही है कि डायरी में जितने भी नाम लिखे गए हैं, आरोपी ने उन सभी का धर्मांतरण करा दिया है। लालजी 2002 में फरीदपुर रहने आया था। वह मूल रूप से मऊ जिले के मुंगेश्वरी गांव का निवासी है। उसने पुलिस को बताया कि पहले वह इधर-उधर मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का गुजर-बसर करता था, लेकिन 2008 में 'ब्रेन हेमरेज' होने पर वह दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती हुआ, जहां के एक डॉक्टर और नर्स (ईसाई) से वह काफी प्रभावित हुआ।

देश को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की कर रहा था तैयारी, हर घर में हो इस्लामिक झंडा, ऐसी तमन्ना रखने वाले छांगुर बाबा के मंसूबे कितने खतरनाक ?

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में पिछले दिनों धर्मांरण का रैकेट चल रहे छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद यूपी की योगी सरकार ने छांगुर बाबा के काले साम्राज्य पर बुलडोजर एक्शन लेते हुए उसे जमींदोज कर दिया। अब छांगुर और उसके गिरोह के लोगों से जांच एजेंसियां लगातार पूछताछ कर रही है। इस पूछताछ के दौरान हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। जांच एजेंसियों ने छांगुर बाबा से पूछताछ में जो कुछ बरामद किया है उसे सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। छांगुर इस पूरे देश को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के सपने देखे लगा था। उसके मंसूबे इतने खतरनाक थे कि वो भारत को गजवा-ए- हिन्द बनाने की राह पर निकल पड़ा था। इसके लिए छांगुर ने देश के कई राज्यों में अपना नेटवर्क फैलाया था। आइए हम आपको बताते हैं छांगुर ने पूरे देश में धर्मांतरण के लिए क्या-क्या योजनाएं बनाई थीं।

छांगुर उर्फ जलालुद्दीन कमजोर तबके के हिन्दू समाज की महिलाओं को मुख्य रूप से टार्गेट करता था। वो उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर थोड़ी बहुत उनकी आर्थिक मदद करके उन्हें अपने झांसे में ले लेता था और फिर उन्हें इस्लाम में कनंवर्ट होने के लिए लालच देता था। इस तरह से उसने पूरे देश में 15 हजार से भी अधिक महिलाओं का धर्म परिवर्तन करवा कर उन्हें इस्लाम धर्म में शामिल कर लिया। इसके अलावा छांगुर उर्फ जलालुद्दीन, जो लोग इस्लाम स्वीकार करने को नहीं तैयार होते हैं उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देता था और जो उसकी बात नहीं मानते थे उन्हें वो कई तरह के झूठे मुकदमों में फंसा भी देता था। उसके एक कीरीबी वसीउद्दीन उर्फ बब्बू चौधरी ने इस बात का खुलासा भी किया।उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में धर्मांतरण का नेटवर्क चला रहे जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा कभी भीख मांगकर और सड़कों पर अंगूठी बेचकर अपना गुजारा किया करता था, लेकिन धीरे-धीरे उसने धर्मातरण का काम शुरू किया और इसके लिए उसे विदेशों से फंडिंग भी होने लगी थी। धीरे-धीरे जलालुद्दीन के धर्मांतरण का धंधा तेजी से चल निकला। छांगुर से जब जांच एजेंसियों को पूछताछ की कि वो धर्मांतरण क्यों करता था? तो उसने जो जवाब दिया उसे सुनकर आपके पैरों तले से जमीन खिसक जाएगी। छांगुर ने जांच एजेंसियों को बताया कि धर्मांतरण के पीछे उसका एक सपना था। वो चाहता था कि पूरे देश में हर घर में इस्लामिक झंडा फहराए। इसके लिए वो पूरे देश को गजवा-ए-हिन्द बनाने के लिए तैयारी कर रहा था।जांच एजेंसियों ने आगे बताया कि छांगुर जिन हिन्दू धर्म के लोगों को इस्लाम धर्म स्वीकार करवाता था उनका वो परीक्षण भी करता था कि उनका हिन्दू धर्म से मोहभंग हुआ कि नहीं। इसके लिए छांगुर उर्फ जलालुद्दीन ऐसे लोगों को धर्म परिवर्तन के बाद सबसे पहले कलमा पढ़ने को कहता था। उसके बाद वो ये चेक करना चाहता था कि क्या अभी भी इस शख्स के अंदर हिन्दू मान्यताएं जिंदा है इसके लिए वो ऐसे लोगों को प्रतिबंधित जानवरों का मांस खिलाता था अगर ऐसे में कोई भी हिन्दू धर्म का शख्स होगा तो वो इस बात से थोड़ा तो जरूर ही हिचकेगा। इस तरह से छांगुर धर्मांतरण के बाद भी लोगों को चेक करता था कि वो पूरी तरह से इस्लाम स्वीकार कर चुके हैं या नहीं। इतना ही नहीं छांगुर इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो भी बनवाता था ताकि कोई शख्स अगर धर्म परिवर्तन के बाद इनकार करे तो वो उसे वीडियो से साबित भी कर सके।छांगुर बाबा ने बलरामपुर और आस-पास के इलाकों में अपना नेटवर्क तो फैलाया ही था इसके अलावा नेपाल से सटे 46 गांवों के युवा भी छांगुर के निशाने पर थे। छांगुर झाड़-फूंक के बहाने लोगो को अपना मुरीद बनाता था। हिन्दुओं को वो झाड़फूंक के बाद अंगूठी भी देता था और उसे चमत्कारी बताता था।ईडी एटीएस जैसी जांच एजेंसियों ने छांगुर बाबा को विदेशी फंडिंग के सुराग भी मिले हैं। वो गांवों और पिछड़े इलाकों में आए दिन जलसे किया करता था। इन जलसों के दौरान वह उन युवकों को टटोलता था जो जिहाद और इस्लाम की ओर झुकाव रखते थे या फिर बेरोजगारी और ऊंची महात्वकांक्षा के वो युवक जो बहुत जल्दी ज्यादा पैसा कमाने की फिराक में हैं। ऐसे युवकों को वो अपने झांसे में लेता और उन्हें इस्लाम स्वीकार करने फायदे बताने के बहाने आर्थिक मदद करता था ताकि वो युवा उसके जाल में आसान से फंस जाए।

धर्मांतरण रैकेट चलाने वाले छांगुर बाबा का क्या है अतीक अहमद कनेक्शन ?

अतीक अहमद की तरह छांगुर भी जमीनों पर कब्जा करने में शामिल हो गया, लेकिन उसका तरीका अलग था। वह सीधे टकराव के बजाय प्रभाव, डर और कागज़ी चालों का इस्तेमाल करता था। इस तरह छांगुर बाबा धीरे-धीरे एक ऐसा चेहरा बन गया, जो बाहर से सूफी संत और भीतर से राजनीतिक और सामाजिक सत्ता का खिलाड़ी था और इस बदलाव की जड़ें कहीं न कहीं अतीक अहमद के साथ बने उसके संबंधों में ही छिपी थीं।धर्मांतरण के रैकेट का मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा, अब एक और विवाद में घिर गया है। उत्तर प्रदेश के गरीबपुर में जन्मा यह शख्स, जो कभी साइकिल पर अंगूठी और नग बेचता था, आज करोड़ों की संपत्ति का मालिक बन चुका है। अब सामने आई एक नई कहानी उसके उत्तर प्रदेश के कुख्यात बाहुबली अतीक अहमद से संबंध को उजागर करती है। बीजेपी नेता और अंबा श्रावस्ती के जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा का दावा है कि छांगुर बाबा के अतीक से घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। मिश्रा के मुताबिक, अतीक के गुर्गों ने ही छांगुर की मुंबई में पहचान और पहुंच बनाने में मदद की। यह नया खुलासा छांगुर बाबा के नेटवर्क और उसके बढ़ते प्रभाव को लेकर कई सवाल खड़े करता है।भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद और पूर्व राज्यमंत्री दद्दन प्रसाद मिश्रा ने छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन को लेकर एक नया खुलासा किया है। उन्होंने बताया, 'जब मैंने मीडिया रिपोर्ट्स और अखबारों में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की तस्वीर देखी तो मुझे याद आया कि जब साल 2014 में मैं लोकसभा चुनाव लड़ रहा था और हमारे सामने समाजवादी पार्टी से अतीक अहमद चुनाव में खड़ा था। तो उस दौरान छांगुर बाबा भी अतीक का चुनाव प्रचार करने के लिए मुस्लिम बहुल इलाकों में उसके साथ मंच साझा करता हुआ दिखाई दिया था। हालांकि छांगुर बाबा का गांव रेहरा ये विधानसभा उतरौला और लोकसभा क्षेत्र गोंडा में पड़ता है लेकिन वो अपने चुनावी क्षेत्रों में प्रचार न करके माफिया अतीक अहमद के चुनाव प्रचार में हिस्सा ले रहा था।'साल 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान, जब कुख्यात माफिया अतीक अहमद समाजवादी पार्टी के टिकट पर श्रावस्ती सीट से चुनाव लड़ रहा था, तभी उसकी नजदीकी छांगुर बाबा से तेज़ी से बढ़ने लगी। छांगुर की कोठी श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र की सीमा के पास गोंडा के उतरौला विधानसभा सीट में स्थित थी, और चुनाव के दौरान वह अतीक अहमद के लिए पूरी तरह सक्रिय नजर आया। दद्दन मिश्रा, जो उस क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहे हैं, का दावा है कि छांगुर बाबा ने हर संभव तरीके से अतीक की मदद की चाहे वह जनसंपर्क हो, जनसभाएं हों या स्थानीय स्तर पर समर्थन जुटाना। चुनाव अभियान के दौरान छांगुर बाबा लगातार अतीक अहमद के साथ मौजूद रहा, जिससे यह साफ होता है कि दोनों के बीच राजनीतिक गठजोड़ के साथ-साथ निजी समीकरण भी मजबूत हो रहे थे। यह गठजोड़ आगे चलकर कई विवादों और सवालों की जड़ बन गया, जिसका असर दोनों की छवि और गतिविधियों पर स्पष्ट रूप से देखा गया।अतीक अहमद और छांगुर बाबा की नजदीकी का एक रोचक और नाटकीय किस्सा 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान सामने आया था। यह घटना बलरामपुर कलेक्ट्रेट में अतीक के नामांकन के दिन घटी, जिसे आज भी लोग दिलचस्पी से याद करते हैं। दद्दन मिश्र के मुताबिक, अतीक अहमद ने चुनावी नामांकन के लिए जिस घोड़े पर सवार होकर कलेक्ट्रेट तक का रास्ता तय किया, वह घोड़ा किसी और का नहीं बल्कि छांगुर बाबा का था। छांगुर ने अपना खास घोड़ा अतीक को दिया था, जो उस समय सत्ता के प्रदर्शन और राजनीतिक स्टाइल का प्रतीक बन गया। नामांकन के दिन, जब अतीक बलरामपुर नगर की ओर से घोड़े पर सवार होकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहा था, तभी उसने बीजेपी समर्थकों की भीड़ की ओर घोड़े को मोड़ दिया। यह सीन वहां मौजूद हर शख्स के लिए चौंकाने वाला था।छांगुर बाबा ने श्रावस्ती और बलरामपुर के मुस्लिम बहुल इलाकों में अतीक अहमद का प्रचार करते हुए अतीक के साथ खुली जीप में रैलियां कीं। वह इस अंदाज़ में साथ चलता था जैसे वह अतीक का सबसे भरोसेमंद और करीबी सिपहसालार हो। स्थानीय ग्रामीण आज भी उन दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि 2014 का चुनाव वह मोड़ था, जब छांगुर बाबा पूरी तरह से अतीक अहमद के प्रभाव में आ गया। चुनाव के बाद भी दोनों के बीच की नजदीकी और मेलजोल लगातार बढ़ता गया। अतीक के मारे जाने से पहले, छांगुर बाबा कई बार प्रयागराज गया था ?— और यही यात्राएं उनके रिश्ते को और गहरा करती गईं।

स्पा सेंटर की आड़ में संचालित 'सेक्स रैकेट' का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

वाराणसी में एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। वाराणसी कैंट थाना क्षेत्र में स्पा सेंटर की आड़ में काम कर रहे देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ करके पांच लोगों को गिराफ्तार किया गया है। एडीसीपी वरुणा नीतू कादयान ने बताया कि कैंट थाना क्षेत्र के प्रीतम कांप्लेक्स के बेसमेंट में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार गिरोह चलाए

जाने की सूचना मिली थी, सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार की शाम छापेमारी कर मौके से तीन युवतियों और दो युवकों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि यह पूरा नेटवर्क फेसबुक और व्हाट्सएप के जरिए चलाया जा रहा था। पुलिस सभी आरोपियों के मोबाइल डेटा और संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भी जांच कर रही है। छापेमारी के दौरान कथित नेटवर्क संचालक पंकज चौबे को भी गिरफ्तार किया गया है, जो पहले भी इसी तरह के मामले में जेल जा चुका है।इससे हले गुरुग्राम पुलिस ने मानेसर की एक इमारत में दो स्पा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि आईएमटी मानेसर के सेक्टर-2 स्थित आम्रपाली इमारत में ऑस्कर और गोल्डन ग्रेविटी के नाम से दो स्पा हैं, जिसमें कुछ महिलाएं स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट संचालित कर रही हैं। इसके बाद मंगलवार को पुलिस टीम ने छापेमारी की।

थाना प्रभारी सतेंद्र कुमार ने बताया, ''हमने अपने जवानों को एक फर्जी ग्राहक बनाकर दोनों स्पा सेंटर में भेजा।उन्होंने संचालकों से मुलाकात की और रेट तय करके महिलाओं की मांग की, जिस पर संचालक मान गए। उसने एक स्पा सेंटर में एक जोड़े को आपत्तिजनक स्थिति में भी पाया। उससे संकेत मिलने पर हमने स्पा पर छापा मारा और एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।''

जहाँ धर्म का अवलम्बन वहीं कल्याण का निवास -आचार्य धीरज याज्ञिक

जहाँ शिव हैं वहाँ नन्दी भी हैं,और जहाँ नन्दी हैं वहाँ शिवजी भी हैं। नन्दी धर्म का प्रतीक और शिव का अर्थ कल्याण है अत: इसका सीधा सा अर्थ यही हुआ कि जहाँ धर्म है वहाँ शिव (कल्याण) भी हैं अथवा जहाँ शिव हैं वहीं धर्म भी है। शिवजी का वाहन वृषभ है वृषभ को धर्म का स्वरूप कहा जाता है अर्थात् शिवजी धर्म की सवारी करते हैं, जीवन के उत्थान एवं मंगल के लिए हमारे जीवन में धर्म की अत्यधिक आवश्यकता है। पशु तब तक ही सही दिशा में चलता है जब तक उसके ऊपर लगाम होती है। पशु को लगाम से एवं मनुष्य को धर्म से ही नियंत्रित किया जा सकता है। जबतक मनुष्य के ऊपर धर्म की लगाम नहीं लगती तब तक मनुष्य का कल्याण नहीं हो सकता।अपनी जीवन ऊर्जा का कब, कहाँ और किस रुप में उपयोग करना है यह धर्म हमें सिखाता है, ज्ञानी व्यक्ति अनासक्त भाव से कर्म करने के कारण कर्म के बन्धन में नहीं फँसता। भगवान भोलेनाथ का जीवन हमें बताता है कि जो भी करो धर्म का अवलम्बन लेकर ही करो जिससे हमको कर्मबंधनों से मुक्ति मिल सके तथा यह मानव जीवन सफल हो सके। उक्त बातें श्री बज्रांग आश्रम देवली प्रतापपुर के संचालक एवं विहिप जिला गंगापार के वेद एवं संस्कृत प्रमुख आचार्य धीरज याज्ञिक ने प्रतापपुर के वारी बरियांवा गांव में श्रावण मास की महत्ता के अंतर्गत एक धार्मिक गोष्ठी में कही।इस अवसर पर आचार्य बरमदीन तिवारी, पंडित त्रिवेणी तिवारी, विजय पाण्डेय, केंद्रीय विद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रवक्ता लोलारख नाथ उपाध्याय, चंद्रकांत तिवारी, पिन्टू, आचार्य सूर्यकांत तिवारी, मुकेश, आचार्य चंद्रभूषण तिवारी, जीतनारायण शुक्ल, शिवांग तिवारी, कान्हा तिवारी, अभिनव शुक्ल आदि लोग उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा पथ पर ढाबों पर फिलहाल लगाना ही होगा क्यूआर कोड

सुप्रीम कोर्ट में योगी सरकार की बड़ी जीत हुई है। क्यूआर कोड मामले को लेकर याचिकाकर्ता ने याचिका दाखिल की थी, उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में 2 मिनट की सुनवाई हुई। कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और 23 तारीख तक खत्म हो जाना है।

लेकिन याचिकाकर्ता को इस मामले में अंतरिम राहत की उम्मीद थी। लेकिन सुनवाई की शुरुआत के समय ही उत्तराखंड सरकार और यूपी सरकार के वकील जितेंद्र कुमार सेठी ने कहा कि मामला संगीन है और हमें दो हफ्ते का वक्त चाहिए। जिसके बाद इस मामले में 22 तारीख की सुनवाई की वक्त मुकर्रर कर दी। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 22 जुलाई के लिए स्थगित कर दी।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी इसी तरह के निर्देशों पर रोक लगा दी थी, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था। 25 जून को उत्तर प्रदेश प्रशासन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए झा ने कहा कि नए उपायों में कांवड़ मार्ग पर सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है, जिससे मालिकों के नाम और पहचान का पता चलता है, जिससे वही भेदभावपूर्ण प्रोफाइलिंग प्राप्त होती है जिस पर पहले इस न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार का निर्देश, जिसमें स्टॉल मालिकों को कानूनी लाइसेंस आवश्यकताओं के तहत धार्मिक और जातिगत पहचान बताने के लिए कहा गया है, दुकान, ढाबा और रेस्टोरेंट मालिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन है। हिंदू कैलेंडर के 'श्रावण' माह में शिवलिंगों का 'जलाभिषेक' करने के लिए कई भक्त गंगा से पवित्र जल लेकर विभिन्न स्थानों से कांवड़ लेकर आते हैं। कई श्रद्धालु इस महीने में मांसाहार से परहेज़ करते हैं। कई लोग तो प्याज़ और लहसुन वाला भोजन भी नहीं खाते।

20 कंपनियों को 1416 करोड़ के निवेश के लिए मिली यूनिक आईडी, दो निजी निवेशकों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत गठित एम्पावर्ड कमेटी की प्रथम बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में दो निजी निवेशकों को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि उप्र. वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत अब तक प्रदेश में कुल 1416 करोड़ रुपये के निवेश के लिए यूपीसीडा द्वारा 20 कंपनियों को यूनिक आईडी आवंटित कर दी गई है। इन सभी कंपनियों का कार्यप्रगति परहै।इसमेंसेदो कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है।इसके तहत मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी को 4.89 करोड़ रुपये तथा मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी, उन्नाव को 4.90 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी दी जायेगी। यह कदम उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और राज्य को औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी ने वाराणसी के ग्राम बिहरा, तहसील राजातालाब में 8.94 एकड़ क्षेत्र में 33.29 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश कर स्टोरेज फैसिलिटी (वेयरहाउस) परियोजना स्थापित की है।

पकड़ा गया कानपुर में 'क्यूबिकल सेक्स रैकेट, 500 रु में 2 घंटे तक होटल रूम

बीपीएस न्यूज

कानपुर के कल्याणपुर इलाके में संचालित एक हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है, जिसने शहर में फैलते इस काले कारोबार की गहराई और जटिलता को उजागर कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह रैकेट पूरी तरह से एक संगठित और डिजिटल नेटवर्क की तरह काम कर रहा था, जिसमें नाबालिगों से लेकर विदेशी लड़कियों तक को शामिल किया गया था। न्यू अशोक नगर स्थित गूबा गार्डन के एक घर से चल रहे इस रैकेट के मुख्य संचालक शुभम पटेल उर्फ उर्विन और उसका साथी आशीष पाल उर्फ सुनील थे। पुलिस ने इन दोनों को शनिवार को गिरफ्तार किया। उनके साथ ही एक नाबालिग समेत दो सेक्स वर्कर्स और सात कस्टमर्स को भी हिरासत में लिया गया, जिनमें दो नाबालिग ग्राहक भी शामिल थे।

जांच में सामने आया कि गैंग के संपर्क में 150 से अधिक कॉलगर्ल्स थीं, जिनमें नाबालिग, किशोरियों से लेकर 50 वर्ष तक की महिलाएं शामिल थीं। हैरानी की बात यह है कि नेपाल और रूस जैसे देशों की भी लड़कियों से संपर्क था, जो ग्राहक की डिमांड पर उपलब्ध कराई जाती थीं। एसीपी पनकी शिखर की जांच में यह खुलासा हुआ कि रैकेट पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में काम करता था। शुभम और आशीष ने अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप बना रखे थे, जहां ग्राहक कॉलगर्ल्स की तस्वीरें देखकर अपनी पसंद जाहिर करते थे। फिर ग्राहक से ऑनलाइन पेमेंट लेकर उन्हें उनके ठिकाने पर 'होम डिलीवरी' के तौर पर लड़की भेज दी जाती थी।

होटलों में पहले से बुक होते थे छोटे रूम

यह धंधा न सिर्फ उनके घर से बल्कि शहर के कई होटलों में भी संचालित होता था, जिनके साथ बाकायदा कमीशन पर साठगांठ थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के मोबाइल डेटा और बैंक अकाउंट की जांच शुरू कर दी है। आधा दर्जन से ज्यादा खातों के जरिए यह रैकेट फंडिंग और पेमेंट लेनदेन करता था। कॉल डिटेल्स और चैट हिस्ट्री से पुलिस को शहर में फैले इस सिंडीकेट के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मदद मिल रही है।

होटलों की संलिप्तता, 500 रुपए में 2 घंटे के लिए देते थे कमरे

एडीसीपी वेस्ट कपिल देव सिंह के मुताबिक, इस रैकेट से शहर के करीब दर्जन भर छोटे-बड़े होटल जुड़े हुए हैं, जो कमीशन के आधार पर रूम उपलब्ध कराते थे। पुलिस जल्द ही इन होटलों के संचालकों से पूछताछ करने वाली है। इस देह व्यापार नेटवर्क की सबसे चौंकाने वाली बात ये थी कि अगर ग्राहक के पास प्राइवेट जगह नहीं हो, तो गिरोह खुद छोटे-छोटे कमरे—जिसे 'क्यूबिकल' कहा जाता था-मात्र 500 रुपए में दो घंटे के लिए किराए पर देता था।ये क्यूबिकल्स एक मकान के तहखाने में विशेष रूप से बनाए गए थे। पुलिस ने जब वहां छापा मारा, तो एक के बाद एक रूम की कतारें मिलीं, जिन्हें देह व्यापार के लिए पूरी तरह अनुकूल बनाया गया था। इस पूरे मामले में जांच अधिकारियों का कहना है कि उन्हें कई अहम सबूत हाथ लगे हैं, और जल्द ही इस गिरोह के अन्य सदस्य और शहर में फैले अन्य सेक्स रैकेट का भी पर्दाफाश किया जाएगा।

सर्पदंश से घबराएं नहीं, समय पर उपचार से बचाई जा सकती है जान-डीएम

कानपुर। मानसून के दौरान सर्पदंश यानी साँप के काटने की घटनाएं आम हो जाती हैं। कई बार समय पर उपचार न मिलने के कारण जान का जोखिम भी उत्पन्न हो जाता है। सर्पदंश को शासन ने दैवी आपदा की श्रेणी में रखा है और इससे निपटने के लिए जिले में समुचित तैयारियाँ की गई हैं।जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपदवासियों से अपील की है कि ऐसी किसी भी स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल निकटतम सीएचसी, पीएचसी या जिला अस्पताल में पहुँचे। इन अस्पतालों में एंटी-स्नेक वेनम की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है और समय से उपचार मिलने पर जीवन बचाना संभव है। यदि किसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में सर्पदंश से मृत्यु हो जाती है, तो शासन द्वारा मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके लिए संबंधित तहसील में आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के साथ चिकित्सकीय अभिलेख (जिसमें सर्पदंश स्पष्ट रूप से अंकित हो) और पोस्टमार्टम रिपोर्ट लगाना अनिवार्य है। किसी अन्य जानकारी अथवा मार्गदर्शन के लिए कलेक्ट्रेट स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है।

घाटमपुर में सर्पदंश की घटना में दी गई आर्थिक सहायता

ग्राम इच्छौली, तहसील घाटमपुर निवासी स्वर्गीय रविप्रकाश पुत्र बृजलाल, जो थाना रेवना में पी.आर.डी. होमगार्ड के रूप में कार्यरत थे, ड्यूटी समाप्त कर घर लौटे थे। उसी रात उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों द्वारा उन्हें उपचार हेतु हैलट अस्पताल लाया गया, जहाँ उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उनकी मृत्यु सर्पदंश के कारण हुई है। इस प्रकरण को दैवीय आपदा के अंतर्गत मानते हुए शासनादेश के अनुसार चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता मृतक की पत्नी सुष्मिता सेन के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी गई है।

चौबेपुर निगोहा स्थित 50 शैय्या आयुष चिकित्सालय का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने विकास खंड चौबेपुर के ग्राम निगोहा में स्थित 50 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, औषधियों की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था तथा मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी रजिस्टर का अवलोकन किया गया, जिसमें 120 नए मरीज तथा 39 पुराने मरीज, कुल 159 मरीजों की प्रविष्टियाँ पाई गईं।

चिकित्सालय में कुल 34 स्टाफ तैनात पाए गए, जिनमें 7 चिकित्सक (आयुर्वेद, होम्योपैथिक एवं यूनानी पद्धति के) सम्मिलित हैं। सभी चिकित्सक अपने-अपने पद्धति अनुसार मरीजों का उपचार किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान दो कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए जिनका आज का वेतन रोकने की निर्देश दिया। उन्होंने ने पैथोलॉजी विभाग का भी निरीक्षण किया करते हुए समुचित साफ-सफाई बनाए रखने हेतु निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में भर्ती मरीज शत्रुघ्न से जिलाधिकारी ने उपचार संबंधी जानकारी ली। मरीज ने बताया कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो रही है, जिससे वे संतुष्ट हैं। जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय के समुचित संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में कार्यरत डॉ. रचना त्रिपाठी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि इस चिकित्सालय में कई असाध्य रोगों का आयुर्वेदिक, प्राकृतिक एवं पंचकर्म पद्धति से उपचार किया जाता है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 200 मरीजों के असाध्य रोगों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा चुका है।

जिलाधिकारी ने चिकित्सालय की व्यवस्था, चिकित्सा पद्धतियों और स्वच्छता व्यवस्था की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि जनसामान्य को आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करने के लिए जनसहभागिता बढ़ाई जाए। साथ ही, उन्होंने गांव-गांव प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। चिकित्सालय की ओपीडी प्रति दिन प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित होती है, जहां मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, दिलीपनगर क्षेत्र में स्थित एक अन्य महत्वपूर्ण 50 शैय्या आयुष चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया गया, जहाँ कई ऐसे मरीजों को राहत मिली है जिन्हें एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से कोई लाभ नहीं मिल रहा था। आयुर्वेदिक उपचार विशेषकर पंचकर्म थैरेपी के माध्यम से ऐसे मरीजों को नई उम्मीद मिली है।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यदि इस प्रकार के चिकित्सालयों का सही संचालन किया जाए और जनमानस को इसके प्रति जागरूक किया जाए तो यह वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में एक सशक्त विकल्प बनकर उभर सकती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए।

जीटी रोड पर जारी है गड्ढामुक्ति का कार्य, मार्ग को बनाया जा रहा है मोटरेबल

कानपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-91 (आईआईटी से रामादेवी चौराहा) पर बारिश के दौरान हुए क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिशासी अभियंता एनएच, कानपुर खंड ए.के. जयंत ने बताया कि मार्ग को मोटरेबल बनाए रखने के लिए अनुबंधित फर्म द्वारा वेट मिक्स मैकडम विधि से गड्ढों को भरने का कार्य निरंतर कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्षा के चलते फिलहाल बिटुमिनस कार्य संभव नहीं है, लेकिन जैसे ही मौसम अनुकूल होगा, डामरीकरण सहित स्थायी मरम्मत प्रारम्भ करा दी जाएगी। वर्तमान समय मे मार्ग को मोटरेबल बनाया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मार्ग खण्ड, लोक निर्माण विभाग, कानपुर के अंतर्गत रा.मा.सं. 91 (आईआईटी से रामादेवी), रा.मा.सं. 91ए (इटावा-बेला-कन्नौज मार्ग) तथा रा.मा.सं. 330डी (सीतापुर-मिश्रिख-हरदोई-बिलग्राम-कन्नौज मार्ग) की कुल 53.995 किलोमीटर लम्बाई के अनुरक्षण हेतु परफॉर्मेंस बेस्ड मेंटनेंस कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत 7142.17 लाख की लागत से निविदा आमंत्रित की गई थी।निविदा प्रक्रिया के अंतर्गत प्रथम निविदादाता के रूप में मेसर्स एमवीडी इंफ्राडेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ से 44.28 करोड़ में अनुबंध 09 जून 2025 को संपादित किया गया। इसी अनुबंध में जीटी रोड (रा.मा.सं. 91) की 18.200 किमी लम्बाई का अनुरक्षण भी सम्मिलित है, जिसके लिए पांच वर्षों में लगभग 13.40 करोड़ व्यय किए जाने हैं।बताया गया कि मार्ग के उक्त हिस्से का नवीनीकरण लगभग छह वर्ष पूर्व कराया गया था, तब से पॉटहोल्स की समय-समय पर मरम्मत होती रही है। वर्षा के कारण कुछ स्थानों पर नई क्षतियां उत्पन्न हुई हैं, जिनकी मरम्मत लगातार की जा रही है। अनुबंधित फर्म द्वारा आवश्यक मशीनरी की मदद से मार्ग को चालू रखने के प्रयास जारी हैं ताकि जनता को सुगम यातायात उपलब्ध हो सके और किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके।

नून नदी संरक्षण से होगा ग्राम विकास और महिला सशक्तिकरण-सीडीओ

स्वयं सहायता समूह की 60 महिलाओं को दिलाया जाएगा कमल की खेती का प्रशिक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने ग्राम पंचायत रामपुर नरूआ, विकास खंड शिवराजपुर में नून नदी के उद्गम स्थल चढ़ारी तालाब का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कमल की खेती हेतु प्रशिक्षित चार स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया।

महिलाओं ने बताया कि कमल की खेती के जरिए स्थानीय महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में एक नया अवसर मिला है। साथ ही, नून नदी के परिक्षेत्र में चिन्हित स्थलों को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किए जाने की संभावना पर भी विचार किया गया। संबंधित ग्राम प्रधानों को इस संबंध में आवश्यक सुझाव दिए गए, जिससे नून नदी का यह अंचल एक समृद्ध प्राकृतिक पर्यटन स्थल के रूप में उभर सके।सीडीओ को यह भी अवगत कराया गया कि नून नदी के किनारे ग्राम पंचायत की भूमि पर शान्त्योदय लोक कल्याण सेवा समिति द्वारा एक 卐स्वास्तिक पार्क卐 का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही जिस स्थान से नदी के पुनर्जीवन का कार्य आरंभ हुआ था, वहां नून नदी के ऐतिहासिक संदर्भों से जुड़ा एक डैशबोर्ड भी स्थापित किया जाएगा।

यह उल्लेखनीय है कि नून नदी के जीर्णोद्धार कार्यक्रम से पूर्व रामपुर नरूआ तथा आस-पास

के ग्रामों में कोई भी स्वयं सहायता समूह सक्रिय नहीं था। परंतु इस नदी के पुनर्जीवन के दौरान, एनजीओ के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें समूहों के रूप में जोड़ा गया और इन्हीं समूहों ने श्रमदान कर नदी के पुनर्जीवन में भागीदारी निभाई।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया तथा अधिशासी अभियंता, सिंचाई विभाग को नून नदी का अंतिम ड्रोन सर्वे कराए जाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने बताया कि कमल की खेती से बनने वाले उत्पादों के निर्माण हेतु विस्तृत कार्ययोजना नाबार्ड को प्रेषित की जा चुकी है।

शिवराजपुर विकास खंड की तीन ग्राम पंचायतों तथा नदीहा बुजुर्ग, नदीहा खुर्द एवं रामपुर नरूआ में संचालित पाँच स्वयं सहायता समूहों की लगभग 60 महिलाओं को कमल की खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अगले सप्ताह रामपुर नरूआ और नदीहा बुजुर्ग में स्थित तालाबों में कमल के बीजों की बुआई की जाएगी। प्रशिक्षित महिलाओं को उत्पाद निर्माण हेतु आवश्यक मशीनें भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अभिनव योजना में जय सिंह गौरी महिला समूह, शिव महिला समूह, जय ब्रजदेव और जय माता दी स्वयं सहायता समूह भागीदारी कर रहे हैं। साथ ही, नून नदी से निकाली गई जलकुंभी के उपयोग से जैविक खाद बनाने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है,

जिससे कृषकों को टिकाऊ खेती में लाभ मिल सके।

सीडीओ ने कहा कि नून नदी के संरक्षण से ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के नए स्त्रोत मिल रहे है। यह प्रयास न केवल जल स्त्रोतों की रक्षा कर रहा है, बल्कि ग्राम स्वावलंबन, जैविक कृषि और महिला सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण भी बन रहा है।

पैसेंजर कैरिंग वाहनों में दाहिनी तरफ ड्राइवर का नाम व आधार नम्बर लिखा होना चाहिए-आकांक्षा सिंह आर.आई.

उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के निर्देश पर परिवहन आयुक्त ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इसके तहत सभी कमर्शियल पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहनों (जैसे ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, टैक्सी आदि) के ड्राइवर साइड के दरवाजे पर ड्राइवर का नाम, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड नंबर स्पष्ट रूप से अंकित करना अनिवार्य कर दिया गया है।

इस आदेश के कड़ाई से पालन को सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरआई) आकांक्षा सिंह ने बताया कि केवल उन वाहनों को फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा, जिनके दाहिनी ओर ड्राइवर का नाम और मोबाइल नंबर अंकित होगा। इसके अतिरिक्त, ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा में दाहिनी तरफ सेफ्टी रॉड लगाना भी अनिवार्य किया गया है।

यह कदम सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं को सुरक्षित यात्रा का भरोसा मिलेगा। परिवहन विभाग ने सभी वाहन चालकों से इस नियम का तत्काल पालन करने की अपील की है, ताकि प्रदेश में

सुरक्षित परिवहन व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

मृतक आश्रति के रिक्त पदों के लिये सीलिंग हटाकर शतप्रतिशत भर्ती सुनिश्चित की जाए सहित अन्य मांगों पर दिया जाएगा ज्ञापन

कानपुर। केंद्र, राज्य एवं अन्य वर्गों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा में संघर्षरत कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति के संचालक मंडल की नियमित आवश्यक आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ कक्ष, आयकर भवन, सिविल लाइंस, कानपुर में समिति के अध्यक्ष एवं बैंक के वरिष्ठ नेता का0 रजनीश गुप्ता जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें 19 अप्रैल 25 को सम्पन्न हुई गत बैठक कार्यवाही को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा गत 09 जुलाई, 2025 को अखिल भारतीय स्तर पर विविध ट्रेड यूनियनों, राज्य एवं केंद्र सरकार के स्वतंत्र फेडरेशनों की सफल एक दिवसीय हड़ताल के लिये शामिल संगठनों को संघर्ष हेतु बधाई भी दी गई।

अगले विषय के अंतर्गत गत वर्ष 2024-25 का आय व्यय विवरण के साथ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे विस्तृत समीक्षा के पश्चात स्वीकृत किया गया। अगले विषय में केंद्र सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग की घोषणा के बाद अभी तक उसका गठन नहीं किया गया है, उसके अध्यक्ष एवं सदस्यों की तत्काल नियुक्ति की जाये एव टर्म ऑफ रिफरेन्स को तुरंत निर्धारित किया जाए। यह भी मांग करने का प्रस्ताव पास किया गया कि उसकी सिफारिशों को सभी पेंशनरों के लिये भी पूर्व की भाँति शामिल किया जाये।अंत में अन्य विषय के अंतर्गत यह भी निर्णय लिया गया कि अधिकारियों एवं कर्मचरियों के अनेक संघो द्वारा प्रमुख माँगों पर हो रहे आगामी संघर्ष एवं आंदोलन में पूरा सहयोग देने के साथ निम्न प्रमुख मुद्दों पर शीध्र रणनीति बनाकर संघर्ष जारी रखने का निर्णय लिया गया-

ट्रक चालक को लूटने के आरोप में 11 पुलिसकर्मी निलंबित

कानपुर में मवेशियों से भरे एक ट्रक के चालक और सहायक को लूटने के आरोप में पांच हेड कांस्टेबल समेत 11 पुलिसकर्मियों को मंगलवार को निलंबित कर दिया गया।

अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) योगेश कुमार ने बताया कि गत शनिवार को आरोपी पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर एक ट्रक का पीछा किया और चालक लक्ष्मण एवं उसके सहायक मोहम्मद उजैर को हर पुलिसकर्मी को 500-500 रुपये देने के लिए मजबूर किया।उन्होंने बताया कि आरोप लगाया गया है कि ऋषि राजन, हरिओम और अतुल सचान सहित सभी आरोपी पुलिसकर्मियों ने लक्ष्मण उर्फ लकी और उजैर के साथ मारपीट की, उनकी आंखों पर डंडे से वार किया और 10,000 रुपये नकदी भी लूट ली।अधिकारियों ने बताया कि जिन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है, उनकी पहचान ऋषि राजन, अमीर हसन, प्रदीप कुमार, अजय कुमार यादव और आनंद कुमार (सभी हेड कांस्टेबल) और कांस्टेबल हरिओम, अतुल सचान, सोनू यादव, उमा शंकर दीक्षित, महिला कांस्टेबल रिंकी रानी और आराधना के रूप में हुई है।

एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि मवेशियों से भरा एक ट्रक सारसौल से रामादेवी-भुंती राजमार्ग होते हुए अलीगढ़ जा रहा था और वह बर्रा राजमार्ग पर पहुंचा ही था कि पुलिस दल ने उसे रोक लिया।बयान के अनुसार, बाद में हनुमंत विहार थाने से जुड़ी कुछ और पुलिस गाड़ियां वहां पहुंचीं और पुलिसकर्मियों ने पुलिस कार्रवाई की धमकी देते हुए धन की मांग की। बयान में बताया गया कि जब चालक और उसके सहायक ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया तो पुलिसकर्मियों ने उजैर एवं लक्ष्मण को वाहन से बाहर निकाला और उनकी पिटाई की।पीड़ितों के खिलाफ पशु क्रूरता के आरोप में एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि उजैर और लक्ष्मण ने अपना एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू की।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा चलाया गया निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान, खाद्य पदार्थों में मिलावट बर्दाश्त नहीं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जनपद में शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों द्वारा सघन निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया गया।

टीम द्वारा शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर मंदिर मेला परिसर में छापेमारी कर निम्नानुसार 12 कि.ग्रा. रंगीन व अमानक खाद्य सामग्री नष्ट की गई=

चटनी (राकेश स्न्नक्ल्ह) - 3 कि.ग्रा., रंगीन नमक (विशु स्न्नक्ल्ह) - 2 कि.ग्रा., रंगीन फिंगर चिप्स - 3 कि.ग्रा., रंगीन कबाब (सुरे) - 2 कि.ग्रा., रंगीन चटनी (शंभू) - 2 कि.ग्रा.।

इस दौरान लगभग 250 मेलावासियों और खाद्य कारोबार संचालकों (स्न्नक्ल्हह्य) के मध्य द्ब्श्वष्ट गतिविधियों के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जागरूकता फैलाई गई। खाद्य सामग्री को ढक कर रखने एवं स्वच्छता मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए।

तिवारी ढाबा, भौती (कानपुर नगर) को रंगीन खाद्य पदार्थ के उपयोग पर चेतावनी दी गई। भण्डारित रंगीन खाद्य रंग को मौके पर नष्ट कराया गया।

साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एस.डी. होटल, चकरपुर (कानपुर नगर) को स्वच्छता बनाए रखने, बंद डस्टबिन के प्रयोग एवं कच्चे खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण हेतु निर्देशित किया गया।

शिवा ढावा भवती, भदौरिया ढाबा चकरपुर, दीपू चौहान ढाबा, जनता ढाबा का निरीक्षण किया गया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा के कार्यालय द्वारा उपलब्ध ग्राहक संतुष्टि फीडबैक द्ब्शश्वस्त्र ह्यड्डद्वद्ग4 ष्थ्ठुद्गष्ह्ल ड्डश्चश्च पर के सिटिकर लगवाये गये खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया ।साफ सफाई कचरा प्रबंधन अच्छे कच्चे माल के प्रयोग हेतु निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं अस्वास्थ्यकर सामग्री के उपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कानपुर उद्योग व्यापार मंडल ने गांधी प्रतिमा पर किया धरना प्रदर्शन

कानपुर।कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुनील बजाज के नेतृत्व में धरने का आयोजन गांधी प्रतिमा फूल बाग पर किया गया। जिसमें देश के कई विभिन्न प्रदेशों में भाषा के नाम पर हिंदी भाषी क्षेत्र के व्यापारियों के साथ वहां के स्थानीय भाषा में बात न करने पर वहां के स्थानीय लोगों द्वारा व्यापारियों के साथ मारपीट की जा रही है। धरने के माध्यम से कानपुर के कई स्थानीय व्यापारियों ने समर्थन देते हुए उक्त घटनाओं की निंदा की।

यह भी आह्वान किया की जब भी मण्डल का कोई आह्वान होगा हम सब व्यापार मंडल के साथ है धरने को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा देश की कई प्रदेशों में हिंदी भाषी क्षेत्र के लोगों के साथ जो वहां के रेडी पटरी व छोटे व्यवसाय में काम करने वाले हैं भाषा विवाद को लेकर उनके साथ मारपीट का की जा रही है एक और जहां हम देश को प्रगति के मार्ग पर आगे ले जाने की योजना बना रहे हैं ।वही भाषा मुद्दों को लेकर यदि हम लड़ते रहे तो हमारा देश आगे कैसे बढ़ेगा हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं की स्थानीय बनाम बाहरी की भावना को राजनीतिक स्वार्थ से खाद पानी मिलता रहा तो आने वाले वर्षों में राज्यों के बीच आपसी विश्वास बढ़ेगा और उद्योग और व्यापार प्रभावित होगा। जिस देश मे आर्थिक प्रगति में भी अवरोध उत्पन्न होगा।जिससे भविष्य में इस प्रकार की पुर्नवृत्ति ना हो सके।

महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी ने उपस्थित साथियों के मध्य) देश के गृहमंत्री अमित शाह को संबोधित ज्ञापन ए, सी, 3 यादवेंद्र सिंह को को ज्ञापन पढ़कर सुनाया व उनको दिया गया आज के कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी ने किया आज के धरने में प्रमुख रूप से मुकुंद मिश्रा,रामकिशोर मिश्रा रामेश्वर गुप्ता नीरज दीक्षित राकेश सिंह जी प्रदीप गुप्ता सुशील गुप्ता महेंद्र गुप्ता, रोशन गुप्ता मयंक यादव अप्पू राकेश पांडे,प्रमोद पाण्डेय, जितेंद्र अग्रवाल राजू, विनय सरताज अहमद, राजेश गुप्ता, आदि प्रमुख व्यापारिक उपस्थित रहे।

संकेतक बोर्ड पर अमर शहीद मेजर सलमान खान बस अड्डा लिखे जाने हेतु लिखा पत्र

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार से मिलकर अनुरोध किया कि लोक निर्माण विभाग के पत्र दिनांक 7 जुलाई 25 के संदर्भ में लोक निर्माण विभाग को संकेतक बोर्ड बदलने हेतु विभागीय आदेश उपलब्ध कराने का कष्ट करें। जिस पर क्षेत्रीय प्रबंधक ने तत्काल उसी समय लोक निर्माण विभाग को संकेतक बोर्ड पर अमर शहीद मेजर सलमान खान बस अड्डा लिखे जाने हेतु पत्र लिखा और साथ में आदेश की प्रति भी उपलब्ध करा दी। जिसके लिए क्षेत्रीय प्रबंधक को कर्मचारी संघ के मंडल अध्यक्ष मोहम्मद परवेज आलम ने धन्यवाद दिया और लोग निर्माण विभाग से अपेक्षा की है कि है कि तत्काल विभागीय आदेश के क्रम में संकेतक बोर्ड पर जहां भी झकरकटी बस अड्डा लिखा है वहां पर अमर शहीद मेजर सलमान खान के संकेतक बोर्ड लगवाने की कृपा करेंगे।

कानपुर में डॉक्टर व चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के सम्मान में हुई सभा

कानपुर।लायंस क्लब कानपुर गेंजेस के तत्वाधान में लायंस अध्यक्ष लायन धनंजय जैन की अध्यक्षता में कैप्सूल रेस्टोरेंट डॉक्टर व चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के सम्मान में एक सभा आयोजित की गई सभा का प्रारंभ दीप प्रज्जवलन मुख्य अतिथि लायन एम जे एफ शरद अग्निहोत्री वी डी जी 1 और गेस्ट ऑफ हॉनर एम जे एफ लायन विश्व रतन त्रिपाठी वो डी जी 2 ने किया तत्पश्चात ध्वज वंदना राष्ट्रीय गान व नैतिक सिद्धांतों का पाठन हुआ व सभा में आए हुए शहर के सम्मानित डॉक्टर व चार्टर्ड अकाउंटेंट का विधिवत सम्मान व परिचय दिया गया।

क्लब के सभी डॉक्टर्स सदस्य व चार्टर्ड अकाउंटेंट सदस्य के सम्मान के साथ अन्य डॉक्टर व चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का भी सम्मान किया गया डॉक्टर्स डे के बारे में डॉक्टर लायन मीरा अग्निहोत्री ने प्रकाश डाला व सी ए दिवस पर लायन एम जे एफ सीए ज्ञान प्रकाश गुप्ता ने प्रकाश डाला। सम्मान की कड़ी में डॉक्टर अवध दुबे, डॉक्टर महेंद्र सरोगी, डॉ मीरा अग्निहोत्री, डॉ किरण पांडे, डॉ वीके कपूर, डॉ सुरेश गुप्ता, डॉ आरके सिंह, डॉ मनमोहन वर्मा, डॉ राजीव भार्गव व आकाश सरावगी का सम्मान माला पहनाकर व पौधे भेंट कर किया गया व स्मृति चिन्ह भी दिया गया।चार्टर्ड अकाउंटेंट की श्रृंखला में सीए ज्ञान प्रकाश गुप्ता सीए आकाश गुप्ता सीए शैलेश शर्मा, सीए नितिन ओमर, सीए अखिलेश तिवारी, सीए शिशिर शुक्ला, सीए दीप मिश्रा, सीए ईशा खन्ना तथा सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान किया गया।सभा में क्लब अध्यक्ष सचिव व कोषाध्यक्ष, विराट गुप्ता अन्य सीनियर्स सदस्य रहे। सभा का संचालन सचिव लायन कंचन कपूर के द्वारा किया गया।

डीएम के निर्देश पर खुलवाया गया अवरुद्ध नाला

कानपुर। बिल्हौर तहसील के ग्राम आकिन के मजरा सरैया दस्तम खां में बरसात के दौरान नाले का पानी खेतों और घरों में भरने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। रामनाथ पुत्र भगौती प्रसाद, सुदेश पाल समेत अन्य ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के समक्ष इस समस्या को गंभीरता से उठाया ।ग्रामीणों ने बताया कि नाले के अवरुद्ध होने से वर्षाजल का प्रवाह रुक जाता था,

जिससे पानी खेतों में भरकर कटान करता था और कई घरों में भी घुस जाता था। डीएम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम संजीव दीक्षित को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारियों की टीम गठित कर मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि नाले में मलबा और मिट्टी भरने के कारण जल निकासी पूरी तरह अवरुद्ध हो गई थी। तत्पश्चात जेसीबी मशीन भेजकर अविलंब नाले की सफाई एवं खुदाई कराई गई।

सभी लोगों को श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएं

विज्ञापन कार्यालय-130/ 4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

मां बारादेवी मंदिर में किया गया भंडारे का आयोजन, सैकड़ों भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण

कानपुर। बारादेवी मंदिर प्रांगण में माँ बारादेवी की असीम अनुकम्पा व आशीर्वाद से हर वर्ष की भांति इस पवित्र श्रावण माह में 8वें विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। वही आपको बता दें कि मां बारादेवी व बाबा भोलेनाथ जी की पूजा अर्चना कर भोग प्रसाद लगाकर विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ।जिसमें आयोजक आप और हम है ।वही बारादेवी निवासी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि यह भंडारा हर सावन मास को किया जाता है जो सुबह से शुरू होकर प्रभू की इच्छा तक चलता है जहां सैकड़ों भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं। उन्होंने बताया कि सावन महीने में बारादेवी सहित विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की कतार देखने को मिलती है वही माँ बारादेवी मंदिर के प्रांगण में भंडारे का प्रसाद पाने लिए भक्तों को लंबी कतारें लगी और आगे भी इस तरह के आयोजन प्रागंण में होते रहते हैं। आए हुए शहर के गणमान्य लोगों ने मां बारादेवी का आशीर्वाद लिया ।वहीं इस अवसर पर पनकी मंदिर महंत कृष्ण दास जी महाराज, शिव राम सिंह, एडवोकेट पंकज श्रीवास्तव, गिरजेश निगम, गोलू, मनीष श्रीवास्तव, विवेक, महेन्द्र पाल, अंकुर तिवारी, रजत तिवारी, अनिल वर्मा, सम्राट सिंह(बंटी), अमूल्य,रितिक, कौतुक, पवन सहित क्षेत्रीयगण व शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के विलय के विरोध में जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति एवं स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में जिलाधिकारी माध्यम से महामहिम राजपाल को ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन के दौरान अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला अध्यक्ष ने कहां की उत्तर प्रदेश सरकार ने गरीब विरोधी निर्णय लेकर पिछले 16 जून को करीब 27000 सरकारी स्कूल को इस आधार पर बंद करने का फैसला किया है कि उनमें 50 बच्चों से कम पड़ रहे हैं। यह निर्णय शिक्षा के मौलिक अधिकार कानून के विरुद्ध जाता है ।जिसके तहत हर एक किलोमीटर दूरी पर प्राथमिक विद्यालय की सुविधा देना अनिवार्य है इस निर्णय से प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में सुविधाओं की बदहाली को सुधारने से मुक्ति चाहती है स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के संयोजक महबूब आलम ने कहा स्कूलों को विलय करने के लिए आदेश की वजह से प्रदेश में हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ाई से वंचित हो जाएंगे ज्यादातर ग्रामीण गांव में लोग बच्चों को दूसरे विद्यालय भेजने में अनेक बढ़ाएं उत्पन्न होती है जिसमें दूरी अधिक साधन की कमी और पैसे का अधिक व्यय शामिल हो जाएगा। ज्ञापन के दौरान अध्यक्ष नीलम तिवारी उपाध्यक्ष रजिया नकली संयुक्त मंत्री धनपति यादव आशा खालिद वंदना शर्मा रिंकू साहू प्रदेश सचिव सीमा कटिहार महबूब आलम आराध्या बाजपेई फेसबुक आलोक गौतम अलीशा फातिमा मोहम्मद आमिर आदि लोग रहे।

सभी लोगों को श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएं

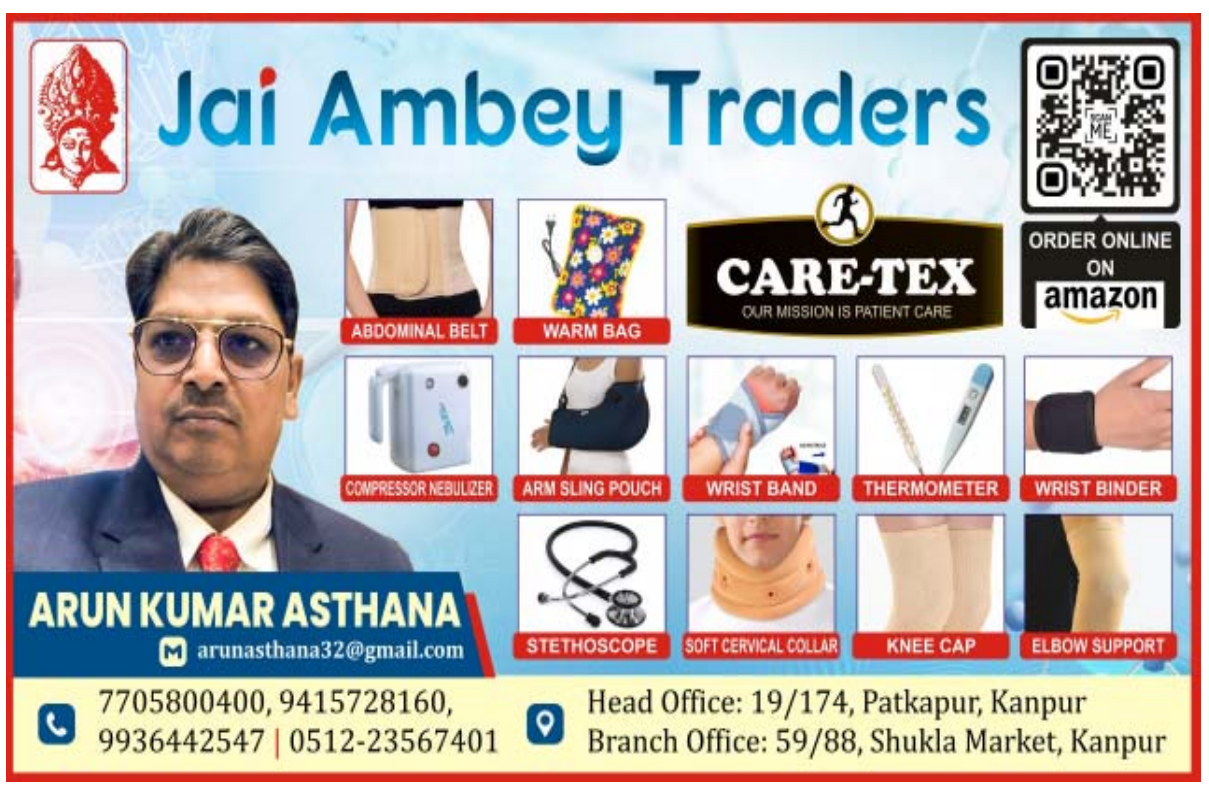

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।